

केनरा बैंक
Canara Bank
A Government of India Undertaking

केनरा बैंक की द्विमासिक गृह पत्रिका
अगस्त - सितंबर 2019 | 266

श्रेयस
266

SHREYAS
266

Canara Bank's Bimonthly House Magazine
August - September 2019 | 266



सहायता



A Supporting Hand

श्री आर ए शंकर नारायणन, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कार्यपालक निदेशक, श्री एम वी राव, श्री देवाशीष मुखर्जी और सुश्री मणिमेखलाई बेलगावी के बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के लिए प्रधान कार्यालय द्वारा एकत्र की गई बाढ़ राहत सामग्री से भरे ट्रक को हरी झंडी दिखाते हुए ।

Sri R A Sankara Narayanan, MD & CEO along with Sri MV Rao, Sri Debashish Mukherjee and Ms Manimekhalai, EDs flagging off the truck loaded with flood relief materials collected by HO for the flood affected villagers of Belgavi.



टाउन हॉल बैठक / Town Hall meet

दिनांक 21.08.2019 को अंचल कार्यालय, तिरुवनंतपुरम द्वारा आयोजित टाउन हॉल बैठक में मुख्य उद्बोधन करते हुए श्री आर ए शंकर नारायणन, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी । इस अवसर पर महा प्रबंधक, श्रीमती जी के माया, श्री डी विजयकुमार और श्री नायर अजीत कृष्णन भी उपस्थित थे ।

Sri R A Sankara Narayanan, MD & CEO delivering the key note address in the Town Hall meet organised by CO, Thiruvananthapuram on 21.08.2019. Smt G K Maya, Sri D Vijayakumar and Sri Nair Ajit Krishnan, GMs are also seen.

श्रेयस SHREYAS

SINCE 1974

केनरा बैंक की द्विमासिक गृह-पत्रिका
Bimonthly House Journal of Canara Bank

अगस्त - सितंबर 2019 | Aug - Sept 2019 | 266 |

Advisory Committee

R A Sankara Narayanan
M V Rao
L V R Prasad
V Ramachandra
P R Yeshodhar
H M Basavaraja
Y L Bhaskar
S Devanarayanan
V Sreelakshmi

Editor

S Devanarayanan

सह संपादक (हिंदी)

वी श्रीलक्ष्मी

Asst. Editors

Sajeev K
Awanikant Singh

Edited, Designed & Published by

S Devanarayanan
Senior Manager
House Magazine & Library Cell
HR Wing, HO, Bengaluru - 560002
Ph: 080-2223 3480
Email: hohml@canarabank.com
for and on behalf of Canara Bank

Artwork Design



Mob: 88927 67712

E-mail: blackfuels@gmail.com

Printers

Surarchit Printpack Pvt. Ltd.
Ph: 080 29723526
surarchit@gmail.com

02 प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश
MD & CEO's Message

03 संपादकीय Editorial

04 New General Managers' Message

06 बैंकों का समेकन विलय - दीपक गोयल

09 Cartoon - K V Ramesh Rao

10 प्रधान कार्यालय में हिंदी माह 2019 का शुभारम्भ

12 अंचल व क्षेत्रीय कार्यालयों में हिंदी माह 2019

24 अंचल समाचार

30 Circle News - English

35 Vignettes from the Past

36 निबन्ध - अनिता रेलन

39 Legal Column - KVC Janaki Rama Rao

40 Classroom Corner - Manoranjan

43 Econ Speak - Rupali Sarkar

44 Banking News

46 आलेख - बी के उप्रेती

48 Short Story - G Meera

50 Travelogue - Seema Yeolekar

54 Babies/Couples Corner

55 Homage

56 Book Review - Sajeev K

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश

MD & CEO's Message



प्रिय केनराइट्स,

आप सभी जानते हैं कि हम भारत में नए बैंकिंग युग के बदलते दौर में प्रवेश कर रहे हैं, क्योंकि बैंकों का समामेलन प्रचलन में है। जबकि नया परिदृश्य बैंकिंग का व्यापक दायरा प्रदान करता है, अवसरों को प्रभावी ढंग से उपयोग करके और जरूरतमंद और योग्य उधारकर्ताओं की पहचान करके हमारे बैंक को मजबूत करने के लिए बहुत कुछ किया जाना चाहिए।

हमें औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों जैसे प्रमुख समूहों से ग्राहकों की पहचान करने में अधिक जोर देकर अपने कासा आधार के निर्माण में अपने प्रयासों को जारी रखने की आवश्यकता है, जिसके परिणामस्वरूप उल्लेखनीय बाजार हिस्सेदारी होगी। मूल्यवान ग्राहकों के साथ बार-बार बातचीत करने से उनकी जरूरतों को जानने के लिए विभिन्न स्तरों पर व्यवस्था की जा सकती है और हमारे बैंक के उत्पादों को जानने और हमारे बैंक में प्रौद्योगिकी के उपयोग के ज्ञान को अद्यतन करने के अवसर का उपयोग किया जा सकता है।

प्रत्येक बार वसूली के मामले पर जोर दिया गया है। पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया को संवर्धित करना और उसी समय उधारकर्ता को शीघ्र चुकौती के लिए मार्गदर्शन करना निश्चित रूप से खातों के स्लिपेज को नियंत्रित करने में सहायक होगा।

आप सभी जानते हैं कि संचार एक कला है। उचित संचार हमें संतुष्टि देता है और यह भाषा कौशल के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इस वर्ष हम अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए हिंदी के प्रयोग को अपनाने का नारा लेकर आए हैं। मुझे उम्मीद है कि सभी राजभाषा के हमारे उपयोग के पीछे की भावना को सराहना करेंगे, हिंदी में प्रवीणता हासिल करेंगे और दैनिक व्यवसाय के लिए इसका बड़े पैमाने पर उपयोग करेंगे।

सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

आर एशंकर नारायणन

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी



Dear Canarites,

You are all aware that we are entering into a transforming phase of new banking era in India, as the amalgamation of the Banks is in the vogue While the new scenario provides wide scope of banking, much needs to be done to strengthen our bank by effectively utilising the opportunities and identifying the needy & eligible borrowers.

We need to continue our efforts in building our CASA base by giving more thrust in identifying the customers from major clusters such as industrial and agricultural sectors, which would result in remarkable market share. Frequent interaction with valuable customers may be arranged at various levels to know their needs and also use the opportunity to know our bank's products and update the knowledge of use of technology in our bank.

Time and again it has been emphasised on the matter of recovery. Augmenting the recovery process and at the same time guiding the borrower for prompt repayment shall definitely result in controlling the slippage of accounts.

You are all aware that communication is an art. Proper communication gives us satisfaction of fulfilment, and this can be achieved through skills of languages. This year we have come out with the slogan of adopting use of Hindi for increasing our business. I hope all will appreciate the spirit behind our use of Official Language, acquire proficiency in Hindi and use it extensively for daily business.

My heartfelt good wishes to one and all.

R A Sankara Narayanan
MD & CEO

राजभाषा

सभी मानव जाति द्वारा अपनी मूल भाषा को समझने की अपेक्षा के साथ दुनिया की यात्रा नहीं कर सकते। हमें विभिन्न भाषाओं को सीखने, विभिन्न बोलियों में नए लोगों के साथ संवाद करने और विभिन्न समाजों की नई संस्कृतियों के अनुकूल होने के लिए तैयार रहना चाहिए। संवाद करने में असमर्थता एक गंभीर क्षति है। भारत जैसे बहु भाषाई समाज की तरह भाषाओं में विविधता हमें विविध भाषाओं को सीखने के पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। किसी भी समाज की संस्कृति भाषा का अभिन्न अंग है और विभिन्न भाषाओं को जानने से विभिन्न संस्कृतियों को सीखने में मदद मिलेगी। यह निश्चित रूप से उन लोगों के लिए जीवन को समृद्ध बना देगा जो अधिक भाषा जानते हैं।

14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा भाषा का दर्जा दिया गया। देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को, भारतीय गणतंत्र की राजभाषा के रूप में अपनाने के लिए 1953 से हर साल हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है। हिंदी दिवस समारोह के हिस्से के रूप में श्रेयस के वर्तमान अंक को हिंदी दिवस विशेष के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

हम पाठकों को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारी श्रेयस पत्रिका ने सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका के लिए सीएमओ एशिया पुरस्कार प्राप्त करके एक और उपलब्धि प्राप्त की है। अब हमने 'श्रेयस मैगजीन' को अपनी सेवानिवृत्ति के लाभ के लिए पूर्व कर्मचारी कॉलम के तहत अपने केनरा बैंक की वेबसाइट में उपलब्ध कराया है।

हम सभी पाठकों को प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन द्वारा उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। पत्रिका की सामग्री को समृद्ध करने के लिए अपनी सफलता की कहानियों, लेखों, सुझावों आदि को कलमबद्ध करें।

कृपया इस अंक के लिए हमें अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित करें।

एस देवनारायणन
संपादक



Official Language

One cannot travel the world with the expectation of understanding his or her native language by all mankind. We need to learn different languages, communicate with new people in various dialects and should be willing to adapt to new cultures of different societies. Inability to communicate is a severe impairment. Knowing the language makes you a local no matter where you are. We will be able to build lifelong friendship with different people. More over learning different languages not only harness our natural ability to form lasting bonds with one another but also empower us. The diversity in languages, in a multi linguistic society like India, endows us enough opportunities to learn diverse languages. Culture of any society is integral to the language and knowledge of varied languages will help in learning different cultures. This will definitely make the life richer for those who know more languages.

On 14 September 1949, Hindi was given the status of official language. Every year since 1953 Hindi Divas is celebrated on 14 September, to commemorate the adoption of Hindi written in Devanagari script as official language of the Republic of India. As part of the Hindi Day Celebrations the present issue of Shreyas is being published as Hindi day special.

We are very happy to inform the readers that our Shreyas magazine has added one more feather to its cap by bagging CMO Asia award for best in-house magazine. Now we have made 'Shreyas Magazine' available in our Canara Bank's website itself under Ex- employees' column for the benefit of our retirees.

We thank all the readers for their continued support with feedback and guidance. Pen your success stories, articles, suggestions etc to enrich the contents of the magazine.

S Devanarayanan
Editor

I am filled with honour to be elevated as General Manager of our great institution. I sincerely thank our bank's top management for providing me the opportunity to serve and contribute with all my knowledge and wisdom in developing and motivating our team and take the bank to the highest level of performance.



I joined the Bank as Probationary officer in 1999, I thank all my Seniors who supported me, encouraged me and helped me out at times it was needed the most at every level of my journey in this institution since then. Apart from that I would also like to thank all my colleagues, my team mates, my subordinates who worked hard along with me for all these years.

As a new member of the top management I would like to make an appeal to all the young working force of our bank to market our digital products, as digital banking shall be the future and will play a major role in taking our bank to greater heights.

With warm regards,

Rahul Bhawe
General Manager

It's an honour to be elevated to the Post of General manager in this great institution and it's matter of great satisfaction to me. I take this opportunity to express my gratitude to my seniors and Top Management who have groomed me to this level and made me more confident in taking higher responsibilities. I also thank my elder brothers for my career planning and my wife who has supported me by taking all family responsibilities and encouraged in career building.



Our Bank is one of the Anchor Banks which witnessed tremendous changes in the Banking Sector during my three decades of Banking career and registered great progress compared with many other peer Banks. This was possible with our rich tradition and culture, effective systems and procedures, excellent planning, good HR policies and also with undoubted commitment level of our Canbank Men and Women.

Banking Industry is now sailing through rough phase on account of slowdown in economy and our Bank is no different. This is the time our Bank requires our Aggressive Marketing, selection of Quality Assets, timely sanctions, effective monitoring, timely identification of stress in the loan portfolio and bringing timely resolutions to maximize the value of Stressed Assets. Better customer friendly service is the easy way to bring in low cost deposits to ease pressure on NIM. We have already proved ourselves in coming out successfully in many such turmoil before. Come again let us do it together.

With Best Wishes,

T Veerabhadra Reddy
General Manager

Elevation to the post of General Manager in our esteemed Bank is a matter of honour and pride for me. I joined this prestigious institution as a Clerk way back in the year 1982.

I thank my superiors and mentors for their guidance, motivation and recognition. I also thank all my colleagues who travelled in this journey along with me as a team during my entire career for their unstinted support.



I am confident that the latest decision of Govt. of India for Amalgamation of two great institutions, Syndicate Bank with our Bank, would unfold multiple benefits in augmenting the financial performance of the Bank apart from becoming the fourth largest public sector Bank in terms of Business. Apart from the above, the staff would get excellent opportunities to take part in the growth process.

The need of the hour is to extend handholding to the juniors and also to groom and mentor the vast number of young In-charges of Branches to enable the Bank to face the challenges ahead. I am sure that our bank will surge forward in the years ahead as in the past and continue to occupy the pre-eminent position in the banking sector.

With Best Wishes,

M Krishna Prasad
General Manager

It is an honour and privilege to have been elevated to the post of General Manager of this great institution. I take this opportunity to express my sincere gratitude to all my superiors, colleagues and friends who have constantly guided, encouraged and supported me throughout my career.

My journey of more than three decades in our bank has been exceedingly gratifying and rewarding with opportunities to work in various capacities in diverse areas of banking. There has been a revolution in the working style of the banks and the banking industry is in a transformation stage. To excel in the field and to get a sustainable competitive edge over the intense competition from Private Sector Banks and other peers in the industry, we require effective utilisation of the resources, continual updation of the system and procedures, right marketing strategies and most importantly relentless focus on customer care.



Our bank has all the strength to face any challenges of the future with the right mix of dynamic work force, wider geographical spread and good customer base. During the current phase of transformation, we are strongly placed in many fronts including HR integration. At this juncture, I appeal all my colleagues to work together with more dynamism and continue to contribute towards growth of our bank in the days ahead and reinforce our position as the top performing bank.

With Warm Regards,

R Girees Kumar
General Manager

बैंकों का समेकन विलय

- मजबूती, कमियाँ, अवसर एवं आशंकाएं



दीपक गोयल

प्रबंधक

फरीदाबाद मिड कॉरपोरेट शाखा

बैंकों का समेकन विलय :- यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक कंपनियां आपसी विलय कर लेती हैं और एक नई कंपनी का निर्माण करती हैं। ज्यादातर मामलों में कंपनी का नाम नया रखा जाता है लेकिन यह आवश्यक नहीं है। इसी प्रकार जब दो या दो से अधिक बैंक आपसी विलय कर लेते हैं और एक नए बैंक या विलयी बैंकों में से किसी एक के नाम पर कार्य करते हैं बैंकों का समेकन विलय कहा जाता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में समय-समय पर बैंकों का विलय किया गया है। सर्वप्रथम यह प्रक्रिया 1921 में प्रारंभ की गई, जब बैंक ऑफ बंगाल, बैंक ऑफ बॉम्बे एवं बैंक ऑफ मद्रास को विलय करके इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया बनाया गया जिसको 1955 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का नाम दिया गया। इसके पश्चात सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए समय-समय पर कई बैंकों का विलय किया गया।



इसमें एक महत्वपूर्ण विलय की घोषणा हमारी वित्त मंत्री (वर्तमान) श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने 30 अगस्त 2019 को की जिसमें 10 सरकारी बैंकों को विलय कर के 4 बड़े सरकारी बैंक बनाने की घोषणा की जिसका विवरण इस प्रकार है:-

(1) पंजाब नेशनल बैंक में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स एवं यूनाइटेड बैंक का विलय होगा।

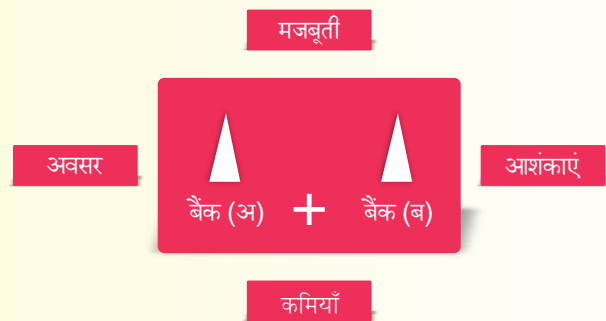
(2) केनरा बैंक में सिंडिकेट बैंक का विलय होगा।

(3) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में आंध्रा बैंक एवं कॉरपोरेशन बैंक का विलय होगा।

(4) इंडियन बैंक में इलाहाबाद बैंक का विलय होगा।

इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था में 12 सरकारी बैंक रह जाएंगे। 10 बैंकों के विलय का फैसला देश के बैंकिंग इतिहास का दूसरा बड़ा फैसला है। 50 साल पहले प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था। विलय के कारण केंद्र सरकार बैंकों में गैर-निष्पादित आस्तियाँ और फंसे हुए कर्जों का बोझ, अनेक बैंकों के मूल्य में कमी, एवं प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं के कारण बैंक प्रणाली में टोस सुधारों की आवश्यकता लंबे समय से महसूस कर रही है।

इस स्थिति के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सावधानी बरतते हुए बैंकों का विलय करने का निर्णय लिया।



चित्र के अनुसार हर बैंकिंग विलय के कुछ मजबूत पहलू एवं कुछ कमियाँ होती हैं। इसी के साथ-साथ कुछ अवसर भी उपलब्ध होते हैं और कुछ आशंकाएं भी रहती हैं। अब हम एक के बाद एक इन सभी पहलुओं पर थोड़ा प्रकाश डालने का प्रयास करेंगे।

मजबूती :-

मजबूत पहलू वे होते हैं जो किसी भी विलय के साथ सकारात्मक रूप से जुड़े हुए होते हैं। बैंकिंग विलय के कुछ मजबूत पहलू इस प्रकार हैं :

1. घटेंगी गैर-निष्पादित आस्तियाँ :

सरकारी बैंक विलय के बाद मजबूत हो जाएंगे तो इन बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियाँ भी घट जाएंगी। इसे आम भाषा में कहें तो ऐसे कर्ज जो वसूल नहीं हो पाते हैं उन्हें गैर-निष्पादित आस्तियाँ कहा जाता है दिवालिया होने वाले कारोबारों का निपटारा करने में छोटे बैंक सक्षम नहीं हो पाते। बड़े बैंक मजबूती के साथ ऐसी स्थितियों को संभाल लेते हैं।

2. बैंकिंग खर्च कम होंगे :-

छोटे बैंकों की परिचालन लागत ज्यादा होती है विलय के बाद इसमें काफी कमी आएगी। जिससे कि बैंक पर आर्थिक बोझ कम होगा।

3. ज्यादा कर्ज देने की क्षमता :-

इस कदम से बैंकों की बैलेंस शीट मजबूत होगी और वे जनता को ज्यादा कर्ज देने की स्थिति में होंगे।

4. देश की अर्थव्यवस्था में सुधार :-

इस फैसले के परिणाम स्वरूप देश की बैंकिंग प्रणाली भारत को 50 खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान दे सकेगी एवं देश के बड़े सार्वजनिक बैंक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता करने में सक्षम हो जाएंगे।

5. धोखाधड़ी पर लगेगी लगाम:-

विलय के पश्चात धोखाधड़ी के गंभीर मामलों पर भी लगाम कसी जा सकेगी। मजबूत सरकारी बैंकों में बैंकिंग झटकों अथवा

6. रोजगार के अवसर बढ़ेंगे:-

बैंकों का विलय होने से सर्विस सेक्टर को काफी मदद मिलेगी। व्यापार बढ़ेगा और औद्योगिक क्षेत्र को भी फायदा होगा। क्योंकि बड़े बैंक ज्यादा सरलता से और बड़ी राशि के ऋण देंगे, जिसे लोग व्यापार में लगाएंगे जिसके परिणाम स्वरूप रोजगार बढ़ेंगे। जानकारों के अनुसार जिन देशों में सरकारी बैंक मजबूत किए गए हैं, वहाँ रोजगार बढ़े हैं। इस अनुभव के आधार पर भी कहा जा सकता है कि बैंकिंग विलय से रोजगार बढ़ेगा।

कमियाँ :-

इस भाग में बैंकिंग विलय के नकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालने का प्रयास करेंगे जो कि इस प्रकार है :-

1. तकनीकी स्तर पर चुनौती :-

जब किन्हीं दो या दो से अधिक बैंकों का विलय किया जाता है तो यह एक सबसे बड़ी चुनौती है जिसका सामना सभी विलयी बैंकों को करना पड़ता है। क्योंकि प्रत्येक बैंक में अलग-अलग तकनीक से काम किया जाता है और जब वे सब मिला दिए जाते हैं तो सभी को एक ही तकनीक से काम करना होता है।

2. आर्थिक संकट के समय ज्यादा जोखिम :-

जिस प्रकार बड़े बैंक आर्थिक रूप से ज्यादा मजबूत होंगे वहीं पर जब आर्थिक संकट का समय आएगा उस समय ज्यादा जोखिम का सामना भी बड़े बैंकों को ही करना पड़ेगा। क्योंकि उन्होंने ज्यादा ऋण वितरित किए हुए होंगे।

3. सुशासन बिना विलय का लाभ नहीं :-

अगर बैंकों की कार्यप्रणाली को विलय के पश्चात सुव्यवस्थित ढंग से नहीं चलाया जाए या किसी कारणवश कार्यप्रणाली सुव्यवस्थित ना हो पाए तो उस दशा में विलय करने का कोई लाभ नहीं होगा। अतः विलय के पश्चात सुशासन अनिवार्य है।

अवसर :-

अवसर पर्यावरण में उन मार्गों का उल्लेख करते हैं जो व्यवसाय को घेरते हैं, जिस पर वह अपने रिटर्न को बढ़ाने के लिए पूंजीकरण कर सकता है। बैंकों के लिए उन अवसरों में से कुछ इस प्रकार है :-

1. पुनर्गठन :-

भारत में बैंकिंग उद्योग का पुनर्गठन सरकार द्वारा इस क्षेत्र को नए वित्तीय वातावरण की चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए किया गया है।

आर्थिक उतार-चढ़ाव के झटकों को सहने की शक्ति होती है। धोखाधड़ी के मामले से वह ताकत के साथ निपट सकते हैं।





2. बढ़ती आय कोष्टक :-

भारत में प्रति व्यक्ति आय में लगातार वृद्धि हो रही है जो कि बढ़ती अर्थव्यवस्था का संकेत देती है। यह संकेत बैंकिंग व्यवसाय की वृद्धि के लिए सकारात्मक है।

3. उधार लेने की क्षमता में वृद्धि :-

समाज ने उच्च आय वाले दोहरे आय वाले दरों की संरचना में बदलाव किया है। यह बदलाव ग्राहक की उधार लेने की क्षमता में वृद्धि दर्शाता है।

4. प्रौद्योगिकी का बढ़ता उपयोग :-

शहरी भारतीय सभी नवीनतम तकनीकों जैसे मोबाइल, इंटरनेट और कंप्यूटर के साथ बहुत सहज है। यह ऑनलाइन बैंकिंग जैसी सेवाएं भी उपलब्ध करवाता है। यह इंटरनेट शॉपिंग व्यवहार में वृद्धि का भी समर्थन करता है जो क्रेडिट कार्ड को जरूरी बनाता है।

5. तकनीकीकरण :-

बैंक तकनीकीकरण और विमुद्रीकरण के साथ अधिक प्रासंगिक हो गए हैं और इससे बैंक खातों की संख्या के साथ-साथ क्रेडिट कार्ड के उपयोग में वृद्धि देखी जाएगी।

आशंकाएं :-

अंतिम पहलू आता है आशंकाएं है जो कि किसी भी व्यवसाय के लिए खतरा साबित हो सकते हैं। बैंकिंग विलय की कुछ आशंकाएं इस प्रकार है :-

1. प्रौद्योगिकी का संरेखन :-

प्रत्येक बैंक की अपनी अलग ही एक प्रौद्योगिकी होती है और अलग-अलग बैंकों के आपस में विलय हो जाने पर प्रारंभिक अवस्था में प्रौद्योगिकी के संरेखन की चुनौतियां का सामना करना पड़ सकता है।

2. कर्मचारियों का एकीकरण :-

प्रत्येक बैंक की एक अलग ही संस्कृति होती है और उस बैंक के कर्मचारी उस संस्कृति के अनुसार ढले हुए होते हैं। ऐसे में बैंकों के विलय के बाद कर्मचारियों का आपस में मिलजुल कर काम करना बैंकों के सामने एक चुनौती है।

3. ग्राहकों में असंतोष :-

हर बैंक की अपनी अलग प्रणाली व नीतियां होती है जिससे वे अपने ग्राहकों को संतुष्ट करते हैं और उन्हें बैंक के साथ जोड़े रखते हैं। ऐसे में बैंकों के विलय के बाद एक दूसरे के ग्राहकों को जोड़े रखना व संतुष्ट करना एक चुनौती है।

एकाधिकार पैदा होना :-

जब छोटे बैंक का विलय होकर बड़ा बैंक बनता है तो प्रायः एकाधिकार का उदय भी होता है। बड़ा बैंक मनमाने ढंग से ग्राहकों को अपनी सेवाएं देगा और मनमाना सुविधा शुल्क भी लगा सकता है।

अंत में हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि बैंकिंग विलय एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय है। अगर कोई भी गलत निर्णय ले लिया जाए तो वह लाभदायक की जगह नुकसानदायक भी साबित हो सकता है।

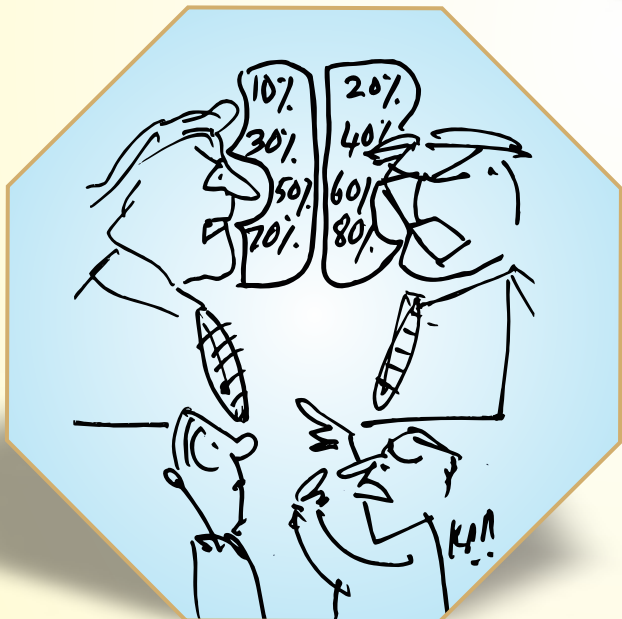




*"From a Crowd,
it is now a Team"*



*"Dear why don't You buy a Car?
Let's help Auto Industry in our
own small way..."*



*"It's called "Tariff Antakshari"
or Trade War.
Both go on rising tariffs..."*



*"GDP is down -
Gross Domestic Peace!"*

Refer to "drawer" by:
K P Ramesh Rao



प्रधान कार्यालय में हिंदी माह 2019 का शुभारम्भ

दिनांक 03/09/2019 को, श्री आर ए शंकर नारायणन, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री एम वी राव तथा श्री देवाशीष मुखर्जी व मानव संसाधन विभाग के महा प्रबंधक श्री एल वी आर प्रसाद ने दीप प्रज्वलन व बैंक के संस्थापक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर प्रधान कार्यालय में हिंदी माह का विधिवत शुभारम्भ किया। आदरणीय प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने घंटी बजाकर हिंदी माह के शुभारंभ की घोषणा की। श्रीमती भार्गवी के तथा श्रीमती रश्मि अनूप बाल ने ईश वंदना प्रस्तुत की। श्री आर ए शंकर नारायणन, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने संबोधन में सभी कर्मचारियों से अपने दैनंदिन कार्यालयीन कामकाज हिंदी में करने व बैंक के विकास में योगदान देने की सलाह दी।

तदुपरांत केनरा बैंक राजभाषा अक्षय योजना व केनरा बैंक राजभाषा पुरस्कार योजना तथा केनरा बैंक अखिल भारतीय अंतरा बैंक निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं के नामों की घोषणा श्री एम वी राव तथा श्री देवाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशकगण द्वारा की गई। साथ ही वर्ष 2019-20 के लिए हिंदी नारा 'हिंदी अपनाएं, कारोबार में वृद्धि लाएं' की विधिवत घोषणा श्री आर ए शंकर नारायणन, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा की गई।

इस अवसर पर प्रधान कार्यालय के विभागों के महा प्रबंधक, कार्यपालक व अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री एच एम बसवराज, सहायक महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग द्वारा किया गया।



कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ

दीप प्रज्वलन



संस्थापक को श्रद्धासुमन



घंटी बजाकर हिंदी माह का शुभारंभ करते हुए आदरणीय प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी



आदरणीय प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संबोधन

ईशवंदना



हिंदी माह नारे का विमोचन



आदरणीय प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कार्यपालक निदेशक व अन्य कार्यपालक हिंदी में हस्ताक्षर करते हुए

केनरा बैंक अखिल भारतीय अंतरा बैंक निबंध प्रतियोगिता, राजभाषा अक्षय योजना व पुरस्कारों की घोषणा

कुछ अन्य छायाचित्र



अंचल व क्षेत्रीय कार्यालयों में हिंदी माह 2019

अहमदाबाद

दिनांक 17.09.2019 को अंचल कार्यालय अहमदाबाद के मुख्य सभागार में हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह



कार्यक्रम अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रोफेसर संजीव कुमार दुबे विभागाध्यक्ष (हिंदी विभाग), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गाँधीनगर इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक श्री सी.एन.राव ने की।

बेंगलूरु

अंचल कार्यालय बेंगलूरु में दिनांक 19.09.2019 को हिंदी-दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बेंगलूरु मेट्रो 1,



बेंगलूरु मेट्रो 3 और बेंगलूरु ग्रामीण क्षेत्रीय कार्यालय के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। समारोह में बेंगलूरु अंचल कार्यालय,

क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु मेट्रो 1, मेट्रो 3 और बेंगलूरु ग्रामीण क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्यपालकों, कर्मचारियों एवं स्थानीय शाखाओं / कार्यालयों के कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल कार्यालय की उप महा प्रबंधक श्रीमती सी एस विजयलक्ष्मी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में कोंगडियप्पा कॉलेज, दोड्डबल्लापुर के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बी नरसिंह मूर्ती उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर अंचल के उप महा प्रबंधक श्री टी जी बोरय्या, श्री जयप्रकाश सी, क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख, श्री एम महेश पै, श्री एन श्रीनिवास राव और अन्य कार्यपालक भी उपस्थित रहे। मंच-संचालन राजभाषा प्रबंधक श्रीमती रेखा टी आर द्वारा किया गया।

बेंगलूरु मेट्रो 2

क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु मेट्रो 2 में दिनांक 23.09.2019 को हिंदी-दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्यपालकों, कर्मचारियों एवं स्थानीय शाखाओं / कार्यालयों के



कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक महा प्रबंधक श्री. शंकर नारायणन ने की। मुख्य अतिथि के रूप में लिटिल फ्लवर पब्लिक स्कूल के हिंदी प्राध्यापक श्री फणीश जी उपस्थित रहे।

भोपाल

अंचल कार्यालय, भोपाल द्वारा दिनांक 21.09.2019 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता महा प्रबंधक,

श्री राहुल भावे द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल के सहायक निदेशक, श्री हरीश चौहान उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अंचल कार्यालय के कार्यपालक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।



रायपुर

दिनांक 21.09.2019 को क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री रविशंकर व्यास, प्राचार्य(सेवानिवृत्त), छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे।



भुवनेश्वर



दिनांक 18.09.2019 को अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन महा प्रबंधक, श्री सीताकांत महापात्र की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि श्री अशोक पाण्डेय व विशिष्ट अतिथि श्री सत्यव्रत त्रिपाठी उपस्थित थे। इस अवसर पर राजभाषा अक्षय योजना व पुरस्कार योजना के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री मदन मोहन नायक, अधिकारी व सुश्री गीता राणा, राजभाषा अधिकारी ने किया।

चंडीगढ़

दिनांक 17.09.2019 को अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ में महा प्रबंधक, श्री आई शब्बीर हुसैन की अध्यक्षता में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के हिंदी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षाविद श्री गुरमीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। कार्यक्रम में उप महा प्रबंधक श्री सुचाराम व श्री



प्रभात किरण, सहायक महा प्रबंधक, श्री सतिंद्र कुमार व अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रकाश माली, प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा किया गया।

शिमला

दिनांक 17.09.2019 को क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला में सहायक महा प्रबंधक श्री नैन सिंह की अध्यक्षता में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन



किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री अनुराग विजयवर्गीय, एम डी (आयुर्वेद) उपस्थित थे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय के समस्त कर्मचारी व स्थानीय शाखाओं के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, श्री हरकेश्वर कुमार द्वारा किया गया।

चेन्नई

दिनांक 25.09.2019 को चेन्नई अंचल कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय -1 व 2 द्वारा उप महा प्रबंधक श्री डी एन वी श्रीनिवास राव जी के मार्गदर्शन में संयुक्त हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय 1 एवं 2 तथा अंचल कार्यालय एवं स्थानीय शाखाओं



के अनेक अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, श्रीमती राखी भार्गव द्वारा किया गया।

कोयंबतूर

दिनांक 19.09.2019 को क्षेत्रीय कार्यालय कोयंबतूर में उप महा प्रबंधक, श्रीमती. के. ए. सिंधु की अध्यक्षता में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सुधा शर्मा, हिंदी विभाग अध्यक्ष, रत्नम कालेज फार विमन, कोयंबतूर मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, श्रीमती हर्षा के आर द्वारा किया गया।



दिल्ली

दिनांक 18.09.2019 को अंचल कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय मध्य व दक्षिण दिल्ली के संयुक्त हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल प्रमुख व महा प्रबंधक श्री शान्तनु कुमार मजुमदार द्वारा की गयी। श्री विक्रम दुग्गल, उप महा प्रबंधक के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि के



रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्री कमर वहीद नकवी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप महा प्रबंधक, श्री बी.पी.जाटव, श्री ओ.पी.जैन, श्री भावेन्द्र कुमार, श्री पी.के.सिंह समेत समस्त कार्यपालकगण व कर्मचारीगण और शाखाओं से आए सदस्य उपस्थित रहे और उत्साह के साथ समारोह में प्रतिभागिता की। संचालन श्रीमती ऊर्जा श्रीवास्तव, प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा किया गया।

देहरादून

दिनांक 19.09.2019 को क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून में हिंदी दिवस का आयोजन सहायक महा प्रबंधक, श्री प्रवीण कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाशवाणी देहरादून के कार्यक्रम अधिशासी अधिकारी, श्री रामेंद्र सिंह थे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी व स्थानीय शाखाओं के कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक(राजभाषा), श्री मनोज कुमार ने किया।



गुवाहाटी

दिनांक 16.9.2019 को अंचल कार्यालय गुवाहाटी में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन उप महा प्रबंधक, श्री प्रणय रंजन देव की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग, गृह



मंत्रालय हिन्दी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक श्री ज्ञान चंद्र प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। कार्यक्रम में सभी अनुभागों एवं स्थानीय शाखाओं के प्रमुख, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, इशरत परवीन ने किया।

हैदराबाद

दिनांक 16.09.2019 को अंचल कार्यालय, हैदराबाद, क्षेत्रीय कार्यालय, रंगरेड्डी और क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद में संयुक्त रूप से हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। महा प्रबंधक, श्री राजेंद्र रेड्डी ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर डॉ विजय हिंदुराव पाटिल, प्राध्यापक, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय



के कार्यपालकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभागिता की। श्रीमती आर्या विश्वनाथ, प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

जयपुर

दिनांक 24.09.2019 को अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर द्वारा उप महा प्रबंधक, श्री सुधाकर आहुजा की अध्यक्षता में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ बी एल सैनी, निदेशक,



राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यपालकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), श्री आर पी शर्मा व प्रबंधक (राजभाषा), श्री ललित कुमार जांगिड़ द्वारा किया गया।

करनाल

दिनांक 17.09.2019 को अंचल कार्यालय, करनाल में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन उप महा प्रबंधक, श्री पुरुषोत्तम चंद की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। इस अवसर पर दयाल सिंह कालेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ रणधीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।



कार्यक्रम में अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय करनाल तथा स्थानीय शाखाओं के कार्यपालक व अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता द्वारा किया गया।

कोलकाता

दिनांक 21.09.2019 को अंचल कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय -1 व क्षेत्रीय कार्यालय -2, कोलकाता में संयुक्त रूप से हिंदी दिवस समारोह का आयोजन महा प्रबंधक, श्री सी जी साहा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ



। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेंद्रनाथ कालेज के हिंदी विभागाध्यक्ष श्री मृत्युंजय पाण्डेय व समाज के वंचित वर्ग के बच्चों की समुचित शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए समर्पित संस्था "हावड़ा नवज्योति" के सचिव श्री प्रभात मिश्रा थे। इस अवसर पर अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के अनेक कार्यपालक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (राजभाषा), श्री ब्रजेश श्रीवास्तव ने किया।

लखनऊ

दिनांक 16.09.2019 को अंचल कार्यालय, लखनऊ में अंचल कार्यालय व क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ का संयुक्त रूप से हिन्दी दिवस समारोह का सफल आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता



अंचल कार्यालय के महाप्रबंधक श्री उमेश कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुविख्यात गायिका व लोक संगीतकार पद्मश्री श्रीमती मालिनी अवस्थी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में अंचल व

क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के समस्त कार्यपालकगण एवं सभी कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्री मयंक पाठक, राजभाषा प्रबंधक व राजभाषा अधिकारी निरूपमा सिंह के द्वारा किया गया।

आगरा

दिनांक 18.09.2019 को क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा में हिंदी दिवस का आयोजन उप महा प्रबंधक, श्री दलबीर सिंह ग्रोवर की अध्यक्षता में



संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री नंद किशोर, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट (आई ए एस) आगरा मुख्य अतिथि एवं श्री सर्वज्ञ शेखर गुप्ता, सेवानिवृत्त मंडल प्रबंधक, केनरा बैंक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय व स्थानीय शाखाओं के अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, श्री सुरेश कुमार द्वारा किया गया।

मदुरै

दिनांक 20.9.2019 को अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय मदुरै में संयुक्त रूप से महा प्रबंधक, श्री एम परमसिवम की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस



समारोह मनाया गया। डॉ. एम. वी. सुब्बुरामन, सेवा निवृत्त हिन्दी प्रोफेसर व हिंदी विभागाध्यक्ष, अमेरिकन कॉलेज, मदुरै समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर केनरा बैंक राजभाषा अक्षय योजना

एवं पुरस्कार योजना के तहत विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), श्री जी अशोक कुमार द्वारा किया गया।

मंगलुरु

दिनांक 20.09.2019 को अंचल कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय मंगलुरु द्वारा संयुक्त रूप से हिन्दी दिवस समारोह 2019 का आयोजन किया गया। श्री योगीश बी आचार्या, महा प्रबंधक व अंचल प्रमुख की



अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में श्री स्वपन कुमार गोराई, निदेशक (वित्त), के आई ओ सी एल, बेंगलुरु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यपालक, अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (राजभाषा), श्री मनेष मोहन द्वारा किया गया।

मुम्बई

दिनांक 21.09.2019 को अंचल कार्यालय, मुम्बई में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन महा प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में



संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रोफेसर योगेश चिटगांवकर, लोककला अकादमी, मुम्बई विद्यापीठ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के कार्यपालक, अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, श्रीमती सीमा कुमारी ने किया।

पुणे

दिनांक 18.09.2019 को अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय पुणे द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन महा प्रबंधक, श्री संदीप जे गवारे की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती



सुधा भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम में अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यपालक, अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (राजभाषा), श्रीमती श्रीदेवी एस पै ने किया।

औरंगाबाद

क्षेत्रीय कार्यालय, औरंगाबाद में दिनांक 21.09.2019 को हिंदी दिवस समारोह 2019 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री पी आर मिश्रा, सहायक महा प्रबंधक ने की। प्राध्यापक सोमनाथ पंडितराव



वांजरवाडे, हिंदी विभाग, विवेकानंद कला, सरदार दलिपसिंग वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, औरंगाबाद समारोह के मुख्य अतिथि थे।

कार्यक्रम में मंडल प्रबंधक, श्री राकेश कुमार सहित क्षेत्रीय कार्यालय, औरंगाबाद एवं स्थानीय शाखाओं के कर्मचारीवृंद उपस्थित रहे। श्री गणेश प्रताप गुजर, राजभाषा अधिकारी के साथ श्री विष्णुकांत भंडारे, प्रबंधक ने मंच संचालन किया।

तिरुवनंतपुरम

दिनांक 27.09.2019 को अंचल तथा क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम द्वारा संयुक्त रूप से हिंदी दिवस सामारोह का आयोजन महा प्रबंधक, श्री नायर अजित कृष्णन की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर श्री



जी श्रीकुमार, केयर बोर्ड अध्यक्ष, केरल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के अनेक कार्यपालक व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), श्री बी सरस्वती ने किया।

एरणाकुलम

दिनांक 24.09.2019 को क्षेत्रीय कार्यालय, एरणाकुलम में हिंदी दिवस सामारोह का आयोजन उप महा प्रबंधक, श्री मैथ्यू जोसेफ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ शांती नायर, हिंदी विभागाध्यक्ष, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय थीं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय व स्थानीय शाखाओं के अनेक कार्यपालक व



कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (राजभाषा), श्री षोजो लोबो द्वारा किया गया।

कोट्टयम

दिनांक 01.10.2019 को क्षेत्रीय कार्यालय, कोट्टयम में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन मंडल प्रबंधक, श्री के श्रीजित की अध्यक्षता में



संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय व स्थानीय शाखाओं के अनेक कार्यपालक व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), श्रीमती मिनी अगस्टीन ने किया।

विजयवाड़ा

दिनांक 18.09.2019 को अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय विजयवाड़ा द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन उप महा प्रबंधक, श्री जीएस रवि



सुधाकर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की पूर्व प्राचार्य, डॉ वी कलावती उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के अनेक कार्यपालक व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, श्री प्रमोद कुमार साहू द्वारा किया गया।

कर्मचारी प्रशिक्षण महा विद्यालय, बेंगलूरु

दिनांक 17.09.2019 को कर्मचारी प्रशिक्षण महा विद्यालय, बेंगलूरु में हिंदी दिवस का आयोजन श्री एम.के. रविकृष्णन, उप महा प्रबंधक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मनोहर भारती, साहित्यकार एवं संपादक, मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद पत्रिका उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री प्रकाश प्रधान, सहायक महा प्रबंधक, कर्मचारी प्रशिक्षण महाविद्यालय, बेंगलूरु और कर्मचारी प्रशिक्षण महाविद्यालय, बेंगलूरु के कार्यपालकगण एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन श्री ओमप्रकाश एन.एस., वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा किया गया।



क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण महा विद्यालय, गुरुग्राम

दिनांक 25.09.2019 को क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण महा विद्यालय, गुरुग्राम में हिंदी दिवस का आयोजन श्री चारु कुमार, सहायक महा प्रबंधक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती पुष्पा अंतिल, हिंदी विभागाध्यक्ष, राजकीय महिला महाविद्यालय, गुरुग्राम थीं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री आर पी जायसवाल, उप महा प्रबंधक, सरकारी कारोबार शाखा दिल्ली एवं अतिथि डॉ मनोरंजन शर्मा, सेवानिवृत्त महा प्रबंधक व मुख्य शिक्षण अधिकारी थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक, श्री बी के उप्रेति ने किया।



THE CANARA BANK JUBILEE EDUCATION FUND (CBJEF)

CBJEF has been functioning as an independent, registered society since 11 April 1956. It was the first institutional frame work envisaged by Canara Bank in 1956 as part of the Social Welfare Activities launched to commemorate the Golden Jubilee of the Bank. The CBJEF started a Book Bank in 1958 for lending Engineering and Medical books, which has been highly beneficial to students in Bangalore. The book bank has around 14000 books and more than 25000 students have benefitted from it. All donations to SBJEF are exempt under sec 80-G of the IT act. Contributions to the fund can be transferred to Canara Bank Jubilee Education Fund, A/C No 0473101031966.



Students desirous of making enquiries can contact at the following address.

The Canara Bank Jubilee Education Fund, Canara Bank Staff Training College premises, 3rd Floor No, 50, Dwarakanath Bhavan, K R Road, Basavangudi, Bangalore-560004, Tele: 080-26620343 bookbnk@cbjef.org

क्षेत्रीय कार्यालयों में हिंदी दिवस 2019



सूरत



मंड्या



मैसूरु



तुमकूरु



भोपाल



जबलपुर



ग्वालियर



इंदौर



बिलासपुर



भुवनेश्वर



भद्रक



ब्रह्मपुर



सम्बलपुर



बठिण्डा



जालंधर



लुधियाना



जम्मू



कांचीपुरम



इरोड



सेलम



तिरुप्पूर



उत्तर दिल्ली



हल्द्वानी



मेरठ



गुवाहाटी



सिलचर



तेजपुर



वारंगल



बीकानेर



रोहतक



गुड़गांव



बरेली



वाराणसी



गोरखपुर



कानपुर



अलीगढ़



एटा



तंजावुर



तिरुच्चो



तेनी



तिरुनेलवेली



तुतूकुडि



दिंडिगल



बेलगावी



गोवा



सोलापुर



वृश्शूर



पालक्काड़

अहमदाबाद

दिनांक 28.09.2019 को अहमदाबाद अंचल कार्यालय द्वारा केनरा नॉलेज चैम्प – 2019 के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप महा प्रबंधक, श्री सी एन राव



द्वारा की गई। इसमें अहमदाबाद के 208 विद्यालयों के आठ सौ छात्रों ने भाग लिया तथा अंतिम चरण में चुनी गई छह टीमों के मध्य निर्णायक दौर संपन्न हुआ। पुरस्कार स्वरूप विद्यालयों को ट्राफी प्रदान की गई तथा विजयी प्रतिभागियों को क्रमशः 50000/- रु, 30000/- रु तथा 20000/- रु की राशि प्रदान की गई तथा साथ ही प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए।

भोपाल

दिनांक 14.08.2019 को नरसिंहपुर शाखा परिसर में “गोल्ड लोन प्लाजा” का उदघाटन भोपाल अंचल के उप महा प्रबंधक श्री सी



जयकुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर बैंक के अनेक अधिकारी व कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित थे।

चंडीगढ़

दिनांक 18.09.2019 को श्री आर ए शंकर नारायणन, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने चंडीगढ़ अंचल कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान कार्यकारी अधिकारी मीट का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने अंचल कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, ईएलबी और वीएलबी के कार्यपालक अधिकारियों के साथ बैठक की। कार्यक्रम में महाप्रबंधक, श्री आई शब्बीर हुसैन तथा उप महाप्रबंधक, श्री सुच्चा राम और श्री प्रभात किरण उपस्थित थे।



प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री आर ए शंकर नारायणन ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और आने वाले दिनों में कासा, अग्रिम को बेहतर बनाने और कासा और अग्रिम के तहत नकारात्मक विकास शाखाओं की संख्या को कम करने के लिए कड़ी मेहनत करने का स्पष्ट संदेश दिया।

इसी क्रम में 18.09.2019 श्री आर ए शंकर नारायणन, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अंचल कार्यालय चंडीगढ़ में आयोजित



टाउन हॉल मीट में चंडीगढ़ अंचल के लगभग 200 कर्मचारी सदस्यों को संबोधित किया। अपने प्रेरक भाषण में उन्होंने सिंडिकेट बैंक के साथ

केनरा बैंक के समामेलन के बारे में विस्तार से चर्चा की और समामेलन के बाद सिंडिकेट बैंक के कर्मचारियों के लिए सौहार्दपूर्ण कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए केनरा बैंक के उत्थान के लिए निरंतर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिनांक 28.09.2019 को केनरा बैंक अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 'केनरा नॉलेज चैम्प' का



आयोजन किया गया, जिसमें पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर तथा चंडीगढ़ संघ शासित प्रदेश के 125 विद्यालयों के लगभग 250 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। यह प्रतियोगिता अंचल प्रमुख श्री बी.पी. जाटव के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

दिल्ली

दिनांक 06.08.2019 को वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही के लिए पीसीबी, क्षेत्रीय कार्यालय, एसएमई सुलभ, आरएएच, ईएलबी / वीएलबी की समीक्षा बैठक कार्यपालक निदेशक, श्री देवाशीष मुखर्जी के मार्गदर्शन में दिल्ली अंचल कार्यालय में आयोजित की गई।



महाप्रबंधक, श्री शांतनु कुमार मजूमदार ने जून 2019 को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए दिल्ली अंचल के मुख्य निष्पादन को प्रस्तुत किया।

श्री देवाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक ने अपने संबोधन में व्यापक रूप से देयता पक्ष और संपत्ति पक्ष दोनों को कवर किया। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे कुल व्यवसाय में सुधार लाने के लिए कासा में सुधार, थोक जमा पर निर्भरता को कम करना, खुदरा अवधि जमा आधार में वृद्धि, कासा और अग्रिम के तहत नकारात्मक शाखाओं की कमी, खुदरा महत्व पर ध्यान केंद्रित करना और मिड कैप फाइनेंसिंग, शाखा स्तर, क्षेत्रीय और अंचल कार्यालय स्तर पर प्रतिबंधों की संख्या में सुधार, एनपीए को कम करने और नकद वसूली में सुधार पर ध्यान केंद्रित करें।

31.08.2019 को एसएमई सुलभ, दिल्ली अंचल कार्यालय द्वारा एक मेगा एमएसएमई लोकसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाप्रबंधक, श्री शांतनु कुमार मजूमदार ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक, श्री आर के सिंह, एमएसएमई विभाग, प्रधान कार्यालय ने की। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र को हमारे बैंक द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता के बारे में जानकारी दी। एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक, श्री विजय कुमार



ने एमएसएमई इकाइयों को दिए गए सरकारी सहयोग के बारे में जानकारी दी।

दिनांक 01.09.2019 दिल्ली अंचल कार्यालय ने डोगरा हॉल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिता 'केनरा नॉलेज चैम्प -2019' का आयोजन किया। आयोजन में दिल्ली और आसपास के 337 स्कूलों के 1290 छात्रों ने अपने शिक्षकों और माता-पिता के साथ भाग लिया। महाप्रबंधक, श्री शांतनु कुमार मजूमदार ने अपने मुख्य भाषण में प्रतिभागियों, शिक्षकों और अभिभावकों को हमारे बैंक के संस्थापक और संस्थापक सिद्धांतों के बारे में बताया। इस अवसर पर अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यपालकों व अधिकारियों ने भाग लिया।



जयपुर

दिनांक 22.09.2019 को जयपुर अंचल ने माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर में जयपुर के सबसे प्रतिष्ठित सभागार में से एक "केनरा नॉलेज चैम्प-2019" के बैनर तले राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। पूरे राजस्थान से कुल 160 संस्थानों ने इस आयोजन के लिए पंजीकरण कराया। उप महाप्रबंधक, श्री सुधाकर आहुजा ने छात्रों और अतिथि का स्वागत करते हुए बैंक की



प्रासंगिक योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यपालक व अधिकारी उपस्थित थे।

करनाल

29.09.2019 को करनाल अंचल कार्यालय द्वारा कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज, करनाल के ऑडिटोरियम में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता "केनरा नॉलेज चैंपियन-2019" का आयोजन किया। पूरे हरियाणा राज्य के 253 टीमों में शामिल 132 स्कूलों के 506 छात्रों ने क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम श्री पुरुषोत्तम चंद, उप महा प्रबंधक के सक्षम नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज, करनाल के निदेशक डॉ सुरेंद्र कश्यप थे। इस अवसर पर अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यपालक व अधिकारी उपस्थित थे।



लखनऊ

दिनांक 05.08.2019 को श्री देवाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक के मार्गदर्शन में लखनऊ अंचल के क्षेत्रीय कार्यालय / ईएलबी व वीएलबी और एसएमई सुलभ की समीक्षा बैठक क्षेत्रीय कार्यालय आगरा में आयोजित की गई। इस अवसर पर श्री यू के शर्मा, महाप्रबंधक और श्री रौतान सिंह, उप महा प्रबंधक तथा लखनऊ अंचल कार्यालय के सभी क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुखों / ईएलबी और वीएलबी और एसएमई सुलभ ने बैठक में भाग लिया।



श्री देवाशीष मुखर्जी, कार्यकारी निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए 10 लाख करोड़ रुपये के व्यापार मानदंड को पार करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी व्यावसायिक इकाइयों को अपने लक्ष्य को प्राथमिकता देनी चाहिए और मासिक आधार पर सभी व्यावसायिक मानकों को प्राप्त करना चाहिए। व्यावसायिक विकास के लिए लिपिक और अधीनस्थ कर्मचारियों सहित सभी शाखा कर्मचारियों की भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दी कि लाभप्रदता बढ़ाने के लिए कासा को प्रमुखता, स्लिपेज को कम करना और उचित निगरानी आवश्यक है।

मुंबई

दिनांक 28.09.2019 को मुंबई अंचल कार्यालय ने महाप्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार के कुशल नेतृत्व में केनरा बैंक, के बीकेसी परिसर में

राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का प्रारंभिक दौर “केनरा नॉलेज चैंपियन-2019” का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुंबई,

पर बड़ी संख्या में पुणे शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया।



ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों के विभिन्न स्कूलों के कक्षा 8 से 12 तक के 600 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

रांची

पटना

दिनांक 13.09.2019 को अंचल कार्यालय, पटना द्वारा “केनरा नॉलेज चैंप- 2019” का आयोजन महा प्रबंधक, श्री देवानंद साहू की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में 67 स्कूलों के

दिनांक 18.08.2019 को अंचल कार्यालय रांची द्वारा वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार शाखा स्तर पर परामर्श प्रक्रिया कार्यक्रम का आयोजन महा प्रबंधक, श्री सुबोध कुमार की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में शाखा / क्षेत्रीय कार्यालय, एसएलबीसी स्तर पर विचार-विमर्श शामिल था।



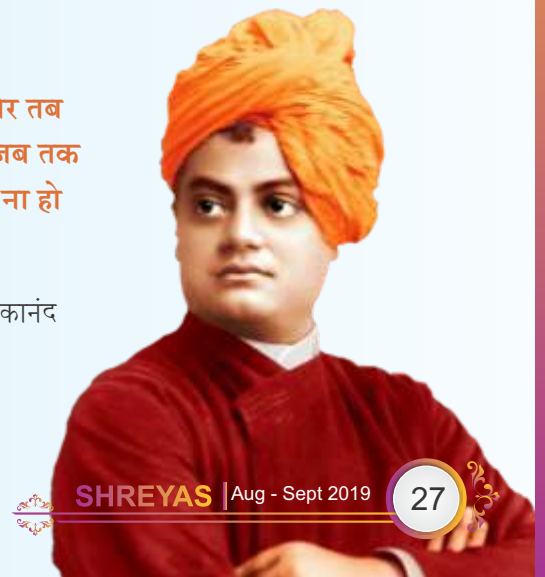
200 छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में वित्तीय जागरूकता और साक्षरता पैदा करना था। विजेताओं को नकद पुरस्कार के अलावा प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र व ट्रॉफी भी प्रदान की गई।

पुणे

दिनांक 29.09.2019 को पुणे अंचल कार्यालय द्वारा एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के विवेकानंद सभागार में केनरा नॉलेज चैंप - 2019 क्विज प्रतियोगिता का पहला अचरण आयोजित किया गया। महा प्रबंधक, श्री संदीप ज गवारे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर

“उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाये।”

- स्वामी विवेकानंद



स्वतंत्रता दिवस समारोह / Independence Day Celebrations



हिन्दी दिवस समारोह / Hindi Day Celebrations



HEAD OFFICE

Official Language Section, HR Wing, HO organized a stage drama in Hindi on the topic 'Online Fraud' on 08.08.2019 under the 'Hindi Encouragement Programme'. Sri LVR Prasad, GM, Sri Nair Ajit Krishnan, GM, Sri R Girees Kumar, DGM, Sri HM Basavaraja, AGM,



other executives of HO and staff members attended the programme. The play was staged by staff from RL&FP Wing & HR wing.

Under the aegis of Study Circle Meet, a Magic Show by Sri Nikhil Raj, a popular magician and Director- Institute



of Magic & Allied Arts was organised by HROD section, HO at Head Office Auditorium on 30.09.2019. Smt A Manimekhalai, ED, other executives of HO, and staff members of HO main and Jeevan Prakash building attended the programme. The show was well received by the audience.

STC

Sri Ashok Kumar Sahu, GM, inaugurated the Lab equipped with 45 new "All-in One" PCs in the presence

of Sri M K Ravikrishnan, DGM Sri Prakash Pradhan, AGM, Sri Sunil Kumar Ambastha, DM, & Trainees on 07.08.2019.



A motivational session "Discovering Roots" was held at STC Bengaluru on 06.09.2019. The programme was graced by Sri P C Nayak, IAS [Retd]; the great grandson of



our founder Sri Ammembal Subba Rao Pai and the son of Sri P Sarvothum Nayak, the first GM of the Bank. Sri N S Srinath [Ex GM of Canara Bank & Ex ED of BoB] was present on the occasion. Sri M K Ravikrishnan, DGM, STC welcomed the participants.

BENGALURU

The Mega Retail Expo organised by RAH, Davangere was inaugurated by Sri H Raghu Raja, AGM, at Vidyanagar Branch, Davangere on 29.08.2019. Sri Sanjeevappa RB, CM and Sri A Thippeswamy, DM, RAH also participated in the expo along with active participation from local branches. Total sanctions were to the tune of ₹7.28 crore and the leads amounting to ₹92.2 lakh were also generated during the expo.



SME Sulabh Kalburgi Organized an MSME Outreach Programme in Kalburgi on 20.09.2019. Sri N Lakshminarayana, GM, Sri H K Gangadhar, AGM, Sri B Venkatramulu, DM, Sri V Syam Babu, CM,



Sri S S Pujari, CM, and Branch Heads of Local and Nearby Kalburgi Branches attended the Programme. Sri Amarnath C Patil, President, HKCCI (Hyderabad Chamber Of Commerce & Industries) welcomed the participants. More than 120 prospective customers attended the programme and 27 Sanctions amounting to ₹9 core were handed over to the borrowers.

BHUBANESWAR

Sri Shreekanta Mohapatra, GM inaugurated the Gold Loan Plaza at Nayagarh Branch on 07.08.2019, which is



first of its kind in the Circle, in the presence of Sri Nirakar Behera AGM, Berhampur RO. A good number of customers also participated in the function.

On the eve of Independence Day, as part of Corporate Social Responsibility, CO, Bhubaneswar conducted



various welfare activities. One inverter was donated to the Institute for helping the disabled at Saheed Nagar and food items were also distributed to the inmates of the institution.

CHENNAI

The MSME Support and Outreach Programme conducted by CO, Chennai at District Collectorate, Tiruppur on 07.08.2019 was presided over by Dr. K S Palanisamy IAS, District Collector. Sri T R Vijayakumar, General Secretary, Tiruppur Exporters' Association,



Sri S Kandasamy, GM, District Industries Centre, Sri A Eswaramurthy, DGM, Sri R Balasubramaniam, AGM, Sri Sathyamoorthy, Lead District Manager (Canara Bank), Tiruppur, Sri R Magesh, Divisional Manager, and Branch Heads in and around Tiruppur participated in the Expo. Sanctions amounting to ₹106.87crore were given

to 77 beneficiaries and leads to the tune of ₹68.83 crore were generated during the Programme.

CO, Chennai conducted an Exporters' Meet under the multi level consultation and ideation initiative at Chennai on 20.08.2019 with an aim to improve bank's finance to exporters. Sri M Abdul Ajees, GM presided



over the meet and delivered the key note address. Sri Franklin Selvakumar DGM Sri Uday Pandit, AGM and Sri P Balasubramanian AGM also participated in the meet. The meeting focused on the ways and means to increase bank credit to export sector. An interaction and feedback session was the highlight of the programme which drew valuable suggestions from the participants.

GUWAHATI

A Mega Canadalat was conducted by Guwahati Circle in presence of Sri Y Ramamohan, AGM, RL&FP Wing, HO on



28.08.2019. 109 customers attended the adalat. 27 accounts were settled with book liability of ₹475.75 lakh. The spot recovery amounted to ₹41.15 lakh and the total cash recovery was to the tune of ₹143 lakh.

HYDERABAD

MSME outreach programme was conducted by RO Hyderabad at MSME development institute Balanagar on 28.08.2019. Sri M Bhaskar Chakravarthy, DGM,



Sri M S Avudaiappan, DGM, and Smt S Saraswathi DM participated in the programme. A good number of people also attended the event. Sanctions amounting to ₹2.78 crore were handed over to the customers.

R O, Warangal observed "Special Drive Retail Expo" on 17.09.2019 in all the 68 branches spread over 17 Districts of Telangana State. Sri Alexander, AGM, RO,



Warangal participated in the expo held at Hanamkonda and Nayeemnagar branches. The expo was well attended by customers and public. Sri G Satyanarayana, DM, attended the expo held at Warangal main branch. A total of 82 loans amounting to ₹8.44.crore were sanctioned and 98 leads amounting to ₹22.18 crore were generated during the expo.

KOLKATA

Circle Office, Kolkata conducted a Mega Canadalat on 13th and 14th August 2019. Sri Debashish Mukherjee ED, Sri M M Chiniwar, GM R&FP Wing, HO Sri C.G. Saha, GM, Smt. Geetika Sharma, DGM, Sri Sanjib Roy, AGM,



Sri Ashok Kumar Meher, DM, and Sri Sudhansu Sekhar Sahoo, CM participated in the proceedings. All the branches and ROs also actively took part in the event. A Total of 749 NPA customers with total book Liability of ₹317.87 crore attended the meet. The number of accounts settled was 444 with book liability of ₹20.11 crore. OTS amount settled was ₹14.93 crore and total recovery was to the tune of ₹3.05 crore.

MADURAI

Sri R A Sankaranarayanan MD & CEO visited Trichy on 8th and 9th August 2019 and met customers of the Region who are sub vendors for BHEL and boiler plants. Sri M M Chiniwar, Sri Rajesh Kumar Singh, Sri M Paramasivam, GMs, Smt Snehalatha Johnson, DGM and other executives were present during the meeting/discussions.



One day workshop on Preventive Vigilance was conducted at Madurai, CO on 19.09.2019. Sri P Daniel, Additional Secretary to GOI, Central Vigilance Commission, Sri J N Chopra, Banking Advisor, Central Vigilance Commission and Sri P Uma Shankar our Bank's Chief Vigilance Officer participated in the workshop and



delivered lecture on different aspects of preventive vigilance. Sri M Paramasivam, GM, Sri P T Kalaiselvan, DGM, Sri D Madhavaraj, DGM, other Executives of Circle, Seven R O Heads, 40 branch heads & staff members of Circle Office also attended the workshop.

MANGALURU

Regional Staff Training College, Mangaluru arranged a session on "Entrepreneurial Opportunities in Fisheries Sector" on 21.08. 2019 for the Agricultural Extension Officers of the Bank to enhance their skills in financing to



the Aquaculture and Pisciculture. Dr. A Senthil Vel, Dean (Fisheries), College of Fisheries, Mangaluru was the Guest speaker. Sri Yogish B Acharya, GM, presided over the function.

Regional Office Mangaluru organised a Mega Retail Expo in co-ordination with RAH Mangaluru on 24.09.2019. Sri Yogish B Acharya, GM, delivered the key note address and explained various Retail Lending schemes of the



Bank. Sri V V Jayakumar, DGM, Sri Ramadas P K, AGM, other Executives and Branch in-charges of various Branches attended the expo. A large number of prospective customers, Reputed Builders, Vehicle Dealers and DSAs were present during the expo. Total 62 leads amounting to ₹15.37 crore were generated under Retail lending.

THIRUVANANTHAPURAM

An Exporters' Meet was organized for Exporters Banking with Canara Bank on 17.08.2019 at Ernakulam. Smt GK Maya, GM, delivered the key note address. Sri Nair Ajit Krishnan, GM presided the Meet and addressed the



gathering. Sri N K Krishnan Kutty, DGM and Sri. Mathew Joseph, DGM also participated in the event. More than 30 Exporters from different parts of Kerala attended the meet.

Peyad branch, Thiruvananthapuram, which was functioning in temporary premises, was shifted to the new permanent premises on 04.09.2019. Adv. I B Satheesh, MLA, inaugurated the new premises.



Sri Nair Ajit Krishnan, GM, Sri Santhosh Kumar S, DGM Sri Muralee Manohar M S, AGM Smt G K Maya, Rtd. GM, Sri Anil Kumar K, Vilappil Grama Panchayath President and Smt Sakunthala Kumari, Nemom Block Panchayath President, addressed the gathering. Sri Shijin G, Branch-in-Charge, Peyad Branch proposed vote of thanks.

VIJAYAWADA

Five Gold plazas were opened on 06.08.2019 under CO, Vijayawada. The inaugurations were done by



Sri D Surendran, DGM- Bapatla Branch, Sri G S Ravi Sudhakar, DGM - Eluru and Gandhipuram branches, Sri A Ramesh Babu, AGM-Anakapalli Branch and Sri K V Ramana Murthy- Jammalamadugu branch.

Canara Banking Corporation Ltd., now Corporation Bank, opened its first branch in South Kanara district after 17 years of its existence. The branch was opened on 18th May 1923 at Coondapur.

The Bank starts branching out

The Canara Bank Ltd. was watching the operations of the Canara Banking corporation ltd. with an experienced eye and decided that it, too, must take up branch banking with earnestness. By then Mangalore was having four local banks and a branch each of Imperial Bank of India and Nedungadi Bank Ltd. Competition was getting to be tough. Canara Bank Ltd. could not afford to be just Mangalore-based. Branching out became imperative.

Two decades after the Bank was established at the district Head Quarters, Mangalore, the Board of Directors of the Bank thought of expanding the banking activities to the taluk headquarters. A sub-committee had been appointed consequent upon a written request by A Naraina Hedge and 30 others of Karkala to open a branch of the Bank there. The late K.P.J.Prabhu and C.E.Kamath, both former Chairmen and Managing Directors, hailed from Karkala.

In October 1918, a petition was received from the residents of Coondapur and adjoining places, requesting that a branch of the Bank should be opened at Coondapur. (An out-agency of the Bank at Coondapur on commission basis was established only in 1928. The out-agency at Coondapur was given to M/S Kamath & Co., on a commission of 10% on the gross profits earned from the business turned out at their agency. Actual branch at Coondapur came to be established much later).

At Karkala

As was the case with the Canara Banking Corporation Ltd., so it was with the Canara Bank. Resources were accumulating and an outlet had to be found for them. In the 21st Annual Report of the Bank the issue was clearly stated. The Report said: "The fixed deposits during the year increased by nearly Rs.5 lakh for which there was no outlet in the shape of loans from June last. On account of this abnormal unutilised balance, the Directors considered it advisable to open two branches to serve as outlets, one at Kasargod and the other at Cochin, in addition to one already opened at Karkala on 1 April 1926." The Karkala branch had been opened by the

Canara Bank Ltd. about the same time as the Canara Banking Corporation had opened its branch in Coondapur. Karkala, however, is a landlocked taluk headquarters about 39 miles north of Mangalore. It was a trading centre, sending Mangalore rice and food grains worth lakh of rupees every year.

At Kasargod

A memorandum dt.14.06.1926 had been submitted by the inhabitants of Kasargod town praying that a branch of the Bank might be opened there at an early date. The branch at Kasargod was opened on 16.10.1926. Services of H.S.Bhat were lent to that branch as agent. The Bank's minutes mention: 'He will get besides the pay to which he would have been entitled to here, a local allowance of Rs10 p.m. He will reside in the premises of the branch and pay a rent of Rs.2 p.m. for his quarters'.

Requests for new branches were pouring in from many places from both within and outside the district. In the board meeting of August 1926 it was resolved that consultation on the spot with prominent people of Ernakulam, Cochin, Alleppey and Bombay be first held (by the directors) at the earliest convenient time and if the result be favourable, steps taken to open a branch in any one or more of those places'.

At Cochin

Cochin branch was opened on 22.11.1926. Cochin is a very ancient trade centre of the South and is one of the pioneers in international trade in spice, coir, timber, fish etc. It has also earned the name 'Queen of the Arabian Sea'. H.Subba Rao, a retired Deputy Collector, was appointed agent on a salary of Rs.125. In November, a letter was received from B. Krishna Bhandary offering his services for the post of broker for the Cochin branch. He was appointed broker on probation for six months, fixing his remuneration at two annas per Rs.100 for the business secured by him (other than gold loans). His services, however, were dispensed with in July 1927 when the new agent M.Mukund Kini did not want any broker for the branch.

To Be Continued ▶▶▶



स्वच्छ भारत अभियान और आम - जन की भूमिका



इससे पूर्व कि हम विषय को रुपायित करे हमें सर्वाधिक महत्ता के विषय स्वच्छता के मायने समझ लेने चाहिए हालांकि इसे शब्दों में मापा नहीं जा सकता ।

स्वच्छ हो धरती स्वच्छ गगन
स्वच्छ तन मन स्वच्छ आचरण
शुचिता हो इतनी जीवन में
अंग-अंग में करें उर्जा का संचरण ।

स्वच्छता मानव की आदर्श जीवन शैली है इस विचार और धारणा को दृढ़ता से स्थापित करने की आवश्यकता है, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने कहा था "स्वच्छता आजादी से ज्यादा महत्वपूर्ण है" स्वच्छता हमें मानसिक, शारीरिक, सामाजिक तथा बौद्धिक हर तरह से स्वस्थ बनाती है ।

कहते हैं न " एक स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास होता है-" इसी तरह 'यत्र स्वच्छतम् निवासते - रमन्ते तत्र देवता' स्वच्छता में ही देवता निवास करते हैं।

स्वच्छता शब्द अपने आप में एक सकारात्मक सोच है - देवता का निवास यानि अच्छी प्रवृत्तियों का होना सदविचारों का उदय होना जहां इन गुणों का वास होता है वहीं सुख, समृद्धि, खुशहाली, मान-सम्मान की प्राप्ति होती है, और हम अपने हर क्षेत्र में सफलता की ओर अग्रसर होते हैं । जब हम स्वच्छता अपनाते हैं तो दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है । दूसरी ओर गंदगी में वास करने वाले में नकारात्मक सोच का आर्विभाव होता है - कुप्रवृत्तियां पनपने लगती है, परिणाम स्वरूप नैतिक मूल्य गिरने लगते हैं ।



अनिता रेलन
पूर्व कर्मचारी

"यही जन्म है यही मरण, यही कर्म, यही कर्तव्य,
क्यों न बनाएं स्वच्छ वातावरण यहां
जिससे अर्जित और उत्साहित हो जहां

स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्वच्छता मुहिम है जिसे भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया । यह एक महा- आन्दोलन है । जिसके तहत भारत को अक्टूबर 2019 तक पूर्णतः स्वच्छ बनाना है ।

2 अक्टूबर 2014 को माननीय प्रधानमंत्री जी ने सवा सौ करोड़ देशवासियों को यह संदेश दिया था कि यदि हर व्यक्ति स्वच्छता के प्रति सजग हो और शपथ ले कि मैं अपनी गली को साफ रखने में दिन का एक घंटा अवश्य दूंगा/दूंगी, फैली हुई गंदगी को तेरे मेरे की भावना से हट कर साफ करने में पहल करूंगा/करूंगी, तो इस प्रकार के अभियानों की आवश्यकता ही ना पड़े । गांधी जी द्वारा देखा गया वह सपना उनकी 150 वीं पुण्य तिथि पर साकार होने में कोई संदेह नहीं रहेगा, पर यह दुख वाली बात है कि आजादी के 71 वर्षों के बाद भी हमें योजनाएं लागू करनी पड़ रही है । शहरों में डेंगू, चिकनगुनिया स्वाइनफ्लू जैसे रोग दिन-प्रतिदिन न जाने कितनों का जीवन लील लेते हैं । प्रदूषण का आलम तो यह है कि नदियां नालों में परिवर्तित हो रही हैं जिसमें उद्योगों का कचरा, अवशेष भी संग्रहीत होने लगते हैं । जो पर्यावरण को स्वच्छ नहीं रख पाते ।

पंत जी ने सही कहा है ----"

दूषित वायु, दूषित जल, कैसे हो जीवन मंगलक्षीण आयु क्षुब्ध जल, कैसे हो जीवन सफल ?





हमें मानना होगा स्वास्थ्य और स्वच्छता मनोवैज्ञानिक और सामाजिक धारणा ही नहीं है न ही यह मात्र प्रशासनिक कार्य है अपितु जनजागरण का समाज के प्रति सद्भावना एवं लगाव से प्रेरित विषय है। यह प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह अपना भरपूर सहयोग दें।

जब हम मन से यह मान लेंगे कि यह देश हमारा है धरती आकाश हमारे हैं तो हमारे अन्दर यह भावना स्वयं जागृत हो जाएगी कि हमें पर्यावरण स्वच्छ रखना है।

नदियाँ पहाड़ झरने उपवन, धरती का श्रृंगार।
नहीं आने देंगे इनमें कभी कोई विकार।

आम-जन की भूमिका से तात्पर्य हर व्यक्ति की सहभागिता से है। हर व्यक्ति उन समस्त आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से शामिल हों, जो उनके जीवन को प्रभावित करती हैं। कुछ मामलों में लोगों का प्रत्यक्ष अथवा सीधा पूर्ण नियंत्रण हो सकता है और कुछ मामलों में अप्रत्यक्ष अथवा आंशिक नियंत्रण। इसमें महत्वपूर्व बात है कि जनता निर्णय लेने में एवं शक्ति तथा साधन के प्रयोग में ज्यादा वफादार होती है, ज्यादा सक्षम होती है। इस अर्थ में जन-जन की सहभागिता मानव विकास का अनिवार्य अंग है।

जनता अपनी आवश्यकतानुसार उपलब्ध साधनों का अधिकतम उपयोग करती है। जनता की सहभागिता सामूहिक या व्यक्तिगत दोनों रूपों में हो सकती है। सामाजिक संदर्भ में इसका अभिप्राय है - धर्म, जाति, लिंग, रंग आदि से ऊपर उठकर सामुदायिक जीवन में शामिल होने की क्षमता। राजनीतिक संदर्भ में इसका अर्थ है - राष्ट्राध्यक्ष से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक को स्थापित या खारिज करने की क्षमता। ये सब एक - दूसरे से अंतः सम्बद्ध हैं और परस्पर पूरक हैं। एक के अभाव में शेष सहभागिताएँ निष्प्रभावी हो जाती हैं। दोनो को एक साथ लेते हुए पहले हम जान लेते हैं -----

स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य क्या हैं ?

- 1) खुले में शौच करने की प्रवृत्ति को समाप्त करना।
- 2) दूषित पानी के निकास की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।
- 3) पालीथीन वा प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध।
- 4) ठोस और तरल अपशिष्ट के सुरक्षित प्रबंधन के लिए प्रणालियों को प्रचलित करना।
- 5) महिलाओं, वृद्ध-जनों बच्चों व दिव्यांगों पर विशेष ध्यान देना होगा।
- 6) हाथ के द्वारा की गई सफाई व्यवस्था का जड़ से खात्मा हो।
- 7) वाहनों के प्रदूषण की नियमित जाँच हो।

इसके लिए येन केन प्राकरेण समुदायों में, पंचायती राज में लघु कार्यशालाएं आयोजित कर जनता में जागरूकता लानी होगी। यही नहीं हमें अपनी सोच भी बदलनी होगी। जब तक आम जन समूह यह तय नहीं करेगा कि हमें अपने आस पास का वातावरण स्वच्छ एवं शुद्ध



रखना है तब तक किसी भी तरह के सरकारी प्रयास परवान नहीं चढ़ पाएंगे। इसलिए जरूरी है आम व्यक्ति की इस दिशा में पहल। शहर हो या गाँव-बाग या ताल-तालाब, गलियाँ या नालियाँ समय-समय पर सफाई होती रहनी चाहिए। गत वर्ष अभियान तो चलाए गए पर मात्र आकर्षित करने के लिए स्वच्छ गलियों को स्वच्छ किया गया पतली और संकरी गलियों में कूड़े के ढेर लगते रहे स्लम बस्तियों की और ध्यान नहीं दिया गया जहाँ कूड़े का ढेर प्रतिदिन सुरसा राक्षसी के मुँह की तरह बढ़ता रहा। इसके लिए दण्ड का प्रावधान होना चाहिए जहाँ स्वच्छता कायम रखी जा रही वहाँ पुरस्कारों की समुचित व्यवस्था भी होनी चाहिए।

जब से प्रधानमंत्री जी ने इस अभियान की मुहिम छेड़ी है सभी संस्थानों में, स्कूल कालेजों में, कार्यालयों में सक्रियता आई है। गैर सरकारी संगठनों की प्रतिभागिता भी अहम भूमिका निभा रही है।

आजकल समाचारों में नीदरलैंड के माननीय प्रधान मंत्री जी चर्चा का विषय हैं देखिये किस तरह हाथ से प्याला छूट जाने पर संसद में बिना किसी हिचकिचाहट के उन्होंने पौछा लगाया। यह भी है स्वच्छता का सशक्त उदाहरण।

कल मुझे रेलवे स्टेशन जाने का अवसर मिला, वहाँ पाया कुछ समय पहले वाले रेलवे स्टेशन ओर आज के स्टेशन में अन्तर नजर आया हर समय झाड़ू लग रही थी कचरा अलग-अलग कर डिब्बों में डाला जा रहा था। जिसे देख कर एक अच्छी वाली सोच आ रही थी।

रास्ते अभी ओर भी हैं बस मंजिलों का जिक्र करना बाकी है। फिर देखिए किस तरह नई सुबह हमारा इंतजार करती है।

यहाँ ध्यान देने की बात यह है कि आम जनता की सहभागिता न केवल योजनाओं को फलीभूत करती है अपितु नए विचारों व नए तरीकों को ईजाद करती है। आवश्यकता है जन - जन की शक्ति को पहचानने की।

जैसे कि -----

- 1) कचरे को रिसाइकल करना उससे मैट्रेस बनाना, दरी बनाना, इसी तरह की कई वस्तुओं को बनाया जाना।
- 2) कचरे का डिस्पोजल न केवल खाद बनाने में हो वरना भविष्य के फ्यूल बनाने में भी काम आए, इसकी शुरुआत चंडीगढ़ जैसे शहर में हो चुकी है।
- 3) ई - परिवहन के माध्यम से इस मुहिम को आगे ले जाया जा सकता है। आवश्यकता है लोगों में अपनत्व एवं बंधुत्व की भावना को जगाया जाना।
- 4) स्कूली पाठ्यक्रम में भी इसे अनिवार्य रूप में रखा जाना चाहिए।



- 5) उन्हें बायोडिग्रेडेबल व नॉन बायोडिग्रेडेबल कचरे के बारे में भी बताना चाहिए।
- 6) कचरे के दो डिब्बे एक साथ लगाने चाहिए जो अब तक काफी स्थानों पर लग चुके हैं।
- 7) सड़क, स्कूल एवं हर स्लम बस्ती में फुटपाथ पर दूरी को बनाते हुए जहाँ सार्वजनिक सुलभ शौचालय व्यवस्था की जानी चाहिए। वहीं उन्हें साफ रखने के लिए जल की व्यवस्था भी हो।

हमें अपनी आदतों में बदलाव करना होगा जो जी जान हम घर बुहारने व सफाई रखने में लगाते हैं उसका कुछ अंश भी हर व्यक्ति देश के लिए लगा दे तो हमारा भारत सुंदर व आदर्श शहर बन जाएगा यह सब स्वच्छता से ही संभव हो पाएगा अर्थात्

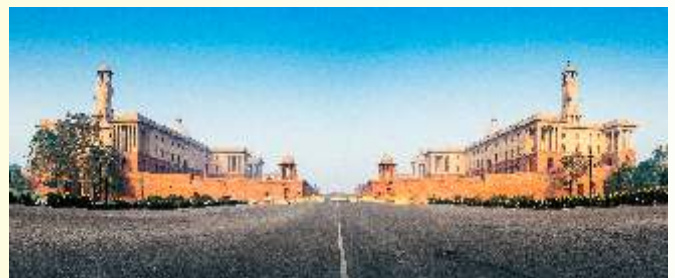
स्वच्छता की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति से करनी होगी यदि हर व्यक्ति अपने स्तर पर स्वच्छता का अभियान अपने आप से शुरू कर देता है तो यह व्यक्ति से होकर घर-घर समाज में ओर समाज से होते हुए शहर-नगर, गांव, गली-कूचे में फैलेगी जब पर्यावरण स्वच्छ होगा तो मन प्रफुल्लित होगा नई उर्जा का संचार होगा। यही एक व्यक्ति समाज-राष्ट्र विकास के लिए अति महत्व रखता है। स्वच्छता एक मनोवृत्ति है- एक आदत है जिसे अपनाया होगा।

हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि अगर भारत की जनता द्वारा प्रभावी रूप से इसका अनुसरण किया जाए तो आने वाले वर्षों में ईश्वर के साक्षात् दर्शन प्राप्त कर सकते हैं। एक स्वस्थ देश और स्वस्थ समाज की जरूरत है उसके नागरिक स्वस्थ रहे ओर हर व्यवसाय में स्वच्छ हो -

आओ मिलकर संकल्प ले -

स्वच्छता की बगियां में स्वास्थ्य के फूल खिलाए।

इसके लिए, हमें मिलकर संकल्प लेना होगा तभी हम स्वच्छ भारत अभियान की सफलता की पताका फहरा पाएंगे।



Whether interim Compensation can be ordered by a court in relation to a case filed against Dishonour of a cheque during the pendency of proceedings under Negotiable Instruments Act?

Jayachandran PP
Manager, Nenmara Branch

Answered by
Sri KVC Janaki Rama Rao
Deputy General Manager
RL & FP Wing, Head Office
Bengaluru



Originally the Negotiable Instruments Act, 1881, did not have any provision to order any interim compensation during the pendency of the proceedings. There was no provision under the original Statute requiring a person accused in a case of dishonour of a cheque to pay or deposit any compensation before the person was found to be guilty of the offence as alleged by the Complainant. Under the Negotiable Instruments (Amendment) Act 2018 a provision for granting an interim Compensation was introduced by the Legislature. By virtue of Section 143A a Court before which trial of dishonour of cheque is pending can order the accused to pay an interim compensation to the Complainant. However the interim Compensation so awarded shall not exceed 20% of the amount of the Cheque. In the event of an acquittal the complainant will have to repay the interim compensation received by him to the drawer with interest at the bank rate as published by RBI prevalent at the beginning of the relevant Financial Year.

From the language used under the Section it is evident that the direction for making the payment of interim compensation is the discretion of the Magistrate. If the accused fails to pay the said Compensation as ordered the same may be recovered in the manner as described under Section 421 of the Criminal Procedure Code, by issuing a warrant for attachment and sale of any movable property of the accused or in such other manner as provided under Section 421 of the Code.

The retrospective applicability of this new provision was brought before the Hon'ble Supreme Court for its consideration in G.J Raja vs Tejraj Surana (MANU/SC/1002/2019). The question raised was as to whether this provision of interim compensation will be applicable to instances of the dishonour of cheques that had occurred prior to the Amendment.

In its Order the Court has observed that as per the amended law the Order of compensation is being issued at a stage where the complaint is not finally adjudicated upon and the guilt of the accused is yet to be determined and hence the Amendment is creating a new disability or obligation on the Court. Hence the Court held that such an Amendment should necessary be of prospective in nature and be confined only to such offences which were committed after the Amendment came into force.

Hence, a Court trying a case of dishonour of cheque may order the accused to pay compensation during the pendency of the proceedings where the cheques were dishonoured after 01.09.2018 i.e. date on which amendment came into force. However with respect to the cases of dishonour of cheques which occurred prior to the Amendment compensation, if any, can be awarded by the Court only along with the final Order.



Ask & Get
ANSWERED

UNDERSTANDING THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019



Manoranjan

Manager, Legal Section

RL & FP Wing, H O, Bengaluru

The Consumer Protection Act, 1986 was the product of the pre globalisation era. Post liberalisation, the Indian Market has grown with an unprecedented pace currently touching the \$2.8 Trillion mark and is aspiring to cross the \$ 5 Trillion mark by 2024. The aspirations of the customers and the choices available to the customers in India have also changed accordingly. India is one of the fastest growing e commerce markets with an expected market size of \$ 84 billion by 2021. The emergence of global supply chains, rise in international trade and the rapid development of e-commerce have led to new delivery systems for goods and services and have provided new opportunities for consumers. Equally, this has rendered the consumer vulnerable to new forms of unfair trade and unethical business practices. With the high penetration of media and internet, misleading advertisements, tele-marketing, multi-level marketing, direct selling and e-tailing has posed new challenges to consumer protection. It is high time that the law for consumer protection is also changed to meet the requirements of the present economic situations and the market. The Consumer protection Act, 2019 which was notified on 9th of August 2019 has endeavored to cover the gaps under the existing framework in order to facilitate the requirements of the growing consumer market in India and to address the myriad and constantly emerging vulnerabilities of the consumer.

Who is a consumer?

The new Act gives a broader answer to the question as to who is a "Consumer". It has outgrown the traditional concept of a physical market and has brought into its ambit the transactions happening in the e-tail world. It has now included the customers of offline and online transactions made either through electronic means, teleshopping, multi-level marketing or direct selling. E-commerce sites, online market places and online auction sites have also been expressly included under the scope of the Act. A broader definition given to the term 'goods', has in turn further outstretched the boundaries of the definition of a 'consumer'.

Consumer's Rights

Under the earlier Act the rights of the consumers were only found as a passing reference under the objects of the Consumer Protection Councils. The amended Act has defined six specific consumer's rights including the right to -

1. be protected against marketing of goods and services which are hazardous to life and property;
2. be informed of the quality, quantity, potency, purity, standard and price of goods or services;
3. be assured of access to a variety of goods or services at competitive prices;
4. be heard and assured that the consumer's interest will receive due consideration at appropriate fora;
5. seek redressal against unfair or restrictive trade practices; and
6. Consumer awareness.

Establishment of Central Consumer Protection Authority

The 2019 Act has created a Central Consumer Protection Authority (CCPA) as a regulatory body in the line of the other sector Regulators like TRAI, FSSAI etc. to promote, protect and enforce the rights of consumers. It will regulate matters related to violation of consumer rights, unfair trade practices, and misleading advertisements.

CCPA will carry out the following functions, including:

1. Inquiring into violations of consumer rights, investigating and launching prosecution at the appropriate forum;



2. Passing orders to recall goods or withdraw services that are hazardous, reimbursement of the price paid, and discontinuation of the unfair trade practices, as defined in the Act;
3. Issuing directions to the concerned trader/ manufacturer/ endorser/ advertiser/ publisher to either discontinue a false or misleading advertisement, or modify it;
4. Imposing penalties; and
5. Issuing safety notices to consumers against unsafe goods and services.

Pro active Steps to curb misleading Advertisements

Considering the ever increasing presence of media and its influence, the new Act intends to cover all kinds of audio or visual publicity and representations made in electronic media, Internet and websites also under its



ambit. It was felt that the existing laws are not deterrent enough to discourage misleading advertisements and hence some stringent provisions have been introduced under the 2019 Act to tackle misleading advertisement, as well as to fix liability on endorsers/celebrities.

Under the new Act, CCPA can impose penalty upto ₹50 Lakhs or imprisonment upon the manufacturer or the service provider for issuing any false or misleading advertisement. A celebrity who is appearing in such advertisement endorsing the product or service can also be punished under the new Act. An express responsibility has been thus imposed on the endorsers to exercise due diligence to verify the veracity of the claims made in the advertisement regarding the product or service that is being endorsed.

Unfair Contracts

In the present market scenario, there can be several occasions where a consumer will have to execute a click wrap contract for making a purchase through an online marketplace or while availing an online service, including a financial service. Quite often these contracts are heavily one sided protecting the interest of the vendor or the electronic service provider and the consumer will not have any chances for negotiation or



bargain for the modification of the terms of such contracts. Keeping in mind this dilemma of the present day consumers, the 2019 Act enables them to seek remedy under the statute against such unfair contracts. All the complaints against the Unfair Contracts, where the value of goods or services paid as consideration does not exceed ₹10 Crore, will have to be filed before the State Consumer Dispute Redressal Commission. Complaints with respect to such contracts where the consideration exceeds Rupees Ten Crore will have to be preferred before the National Consumer Dispute Redressal Commission.

Data Protection

The Act has brought in an aspect of Data Protection also under the scope of the Act by making any disclosure of personal information given in confidence by a consumer, an unfair trade practice, unless such disclosure has been made in accordance with the provision of any law at the time being in force.

Modified Disputes Redressal Mechanism

The District Consumer Forum has been revamped as District Consumer Disputes Redressal Commission with a significant increase in its monetary jurisdiction. Under the 2019 Act the District Commission has been empowered to determine matters upto a value of Rupees One Crore. A similar increase has been brought in with respect to the monetary jurisdiction of the State Commission and the National Commission also.

Forum	Pecuniary Jurisdiction (Under 2019 Act)	Pecuniary Jurisdiction (Under 1986 Act)
District Consumer Disputes Redressal Commission	Up to Rupees One Crore	Up to Rupees 20 Lakhs
State Consumer Disputes Redressal Commission	More than Rupees One Crore up to Rupees Ten Crore	Above Rupees Twenty Lakhs up to Rupees One Crore
National Consumer Disputes Redressal Commission	More than Rupees Ten Crore	Above Rupees One Crore

However the amended Act has moved away from the traditional approach for computing the pecuniary jurisdiction. The earlier Act was considering, for the purpose of determining pecuniary jurisdiction, the 'value of the goods or services and the compensation, if any claimed'. Whereas the provisions of the 2019 Act is considering the value of the goods or services paid as consideration in ascertaining the pecuniary jurisdiction. It therefore is giving emphasis to the actual consideration paid and not the total value of the goods or services. This may be relevant and shall make a serious difference in transactions like a real estate purchase where the purchaser might have made payment of only a percentage of the total value in terms of the construction agreement. The present position thus enables a purchaser of a flat to approach the District Commission, (where the consideration paid is less than Rupees One Crore) and shall obviate the hardship of travelling all the way to the State Capitals to depose before the State Commission.

Place of Filing of Complaints

Unlike the current practice of filing of complaints at the place of purchase or where the seller has its registered office address the New Act provides flexibility to the

consumer to file complaints with the jurisdictional consumer forum located at the place of residence or work of the consumer. This provision assumes importance in the light of the fact that the Act has brought the electronic transactions especially the e-commerce transactions also within its ambit where the service provider or seller may be situated at any corner of the world.

Resolution through Alternate Dispute Resolution

The New Act provides for mediation as an Alternate Dispute Resolution mechanism. The 2019 Act has introduced into its framework a remedy by way of Mediation where an option shall be provided to the parties either at the time of admission or even at a later stage to resolve the dispute by way of mediation. A Consumer Mediation Cell has been created under the Act for this purpose attached to the District, State and National Commissions. Any agreement or settlement reached through such mediation shall be recorded and no appeal shall lie against such an order.

Digitalisation of the Proceedings

Taking into consideration of the changed market conditions the Act is now providing for the e filing of complaints and online payment of the fees. Further as a measure to avoid delays and also as an effort to reduce the hardships of the parties, the new Act provides for hearing and/or examining parties through video-conferencing.

Power of Review

Under the existing framework the aggrieved parties did not have any recourse other than filing an appeal to the State or National Commission to set right the errors made in the order of the District Forum /State Commission. Under the 2019 Act the District and State Commissions have been vested with the power to review its own Orders where an application is filed within 30 days of such Order.

Appeals

The amended Act has increased the window for preferring an appeal against the order of the District Commission from 30 days to 45 days which shall be aiding the consumers particularly those who are illiterate or are residing in remote areas.



Decoding the vision
of a
**\$5 Trillion
Economy**



Rupali Sarkar
Divisional Manager
Economist, SP & D Wing
HO, Bengaluru

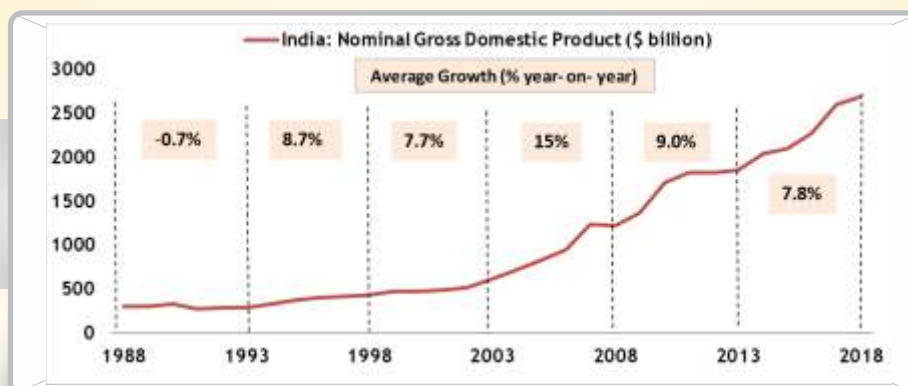
Government's vision and aspiration of making India a \$ 5 trillion economy has been much talked about in policy, academic and media circles. Our policy think tank- Niti Aayog has reinstated confidence in it and the FY2019 Economic Survey has laid down the blueprint for the realization of the aspiration. With this government's vision for the country, we look at what does a \$5 trillion economy really mean and the ingredients for its making. The size of the Indian economy or the total nominal Gross Domestic Product (GDP) in dollar (\$) terms currently is \$2.7 trillion. This is the fourth largest in the world. With an accelerated pace of economic growth, the government aspires to increase India's total GDP to \$5 trillion in the next few years. An increase in GDP reflects greater output production and income generation in the economy and with a slower pace of population growth, this should translate into higher per capita income.

Becoming a \$5 trillion economy from the current levels requires an average nominal GDP growth of 12-13% every year in the next 5 years. Let's put this into context. As per the IMF data, in the last 3 decades, the Indian economy grew at an average rate of 8% (nominal GDP in dollar terms) with a peak of 31% in 2007 and a low of -

16% in 1991. Breaking the last 30 years into 5 years buckets, shows that FY2005-FY2009 was the only time when average 5 year nominal GDP growth was higher than 10%. Recall this was also the time when both the global and the domestic economy were going through an economic upswing.

However, this time, economic growth has already been weakening due to a multitude of factors ranging from a prolonged rural distress to slowing consumer spending and a muted investment cycle. Global headwinds in the form of US- China trade war, Brexit uncertainties and geopolitical tensions are posing further challenges. Against this backdrop, maintaining a 13% nominal GDP growth on a sustained basis will be an uphill task if not an impossible one.

A note on the GDP numbers: The size of the economy refers to the total quantum of nominal GDP. Hence a 13% envisaged growth rate for the economy is an aggregation of real GDP growth and the inflation effect. The widely quoted data about India's GDP growth declining to 5% in Q1 FY2020 refers to the growth in real GDP. Adding the impact of inflation to it, nominal GDP growth for the quarter was 8.0%.



August 2019

India Post Payments Bank to become SFB:

The postal department said it has decided to convert the India Post Payments Bank into a Small Finance Bank, enabling it to offer small loans to customers. Besides, the department looks to open 10 million accounts for IPPB in 100 days. The decisions were taken at the annual Heads of Circles Conference held at Srinagar in Jammu and Kashmir from July 29-31, 2019.

Lok Sabha clears amendments to IBC to strengthen financial creditors' rights:

The Lok Sabha approved amendments to the IBC, explicitly endorsing greater rights for financial creditors than operational ones and fixing the period to complete the resolution process including litigation of a stressed firm at 330 days to cut delays. The amendments also give lenders explicit power over the distribution of resolution proceeds of toxic assets. Since the Rajya Sabha has already cleared the IBC (Amendment) Bill 2019, it will now be made into law after the Presidential assent.

RBI allows Bank of China to offer services in India:

The RBI allowed Bank of China to offer regular banking services in the country. All Commercial Banks, like SBI, HDFC Bank, Punjab National Bank and ICICI Bank are in the Second Schedule. Banks falling under this schedule have to adhere to the norms of the RBI.

Basic accounts to be made free: RBI

The RBI said that banks should not impose any limit on number and value of deposits that can be made in a month on Basis Savings Bank Deposit Account. These accounts are designed primarily for the poor section of the society which would offer certain minimum facilities free of charges. Bank should not charge for deposits of cash at branch as well as ATMs, should not ask for receipt or credit of money through any electronic channel.

At 7.3%, retail loan growth slips to 5-year low in first half of 2019:

Banks have disbursed retail loans at the slowest rate in five years in the first half of 2019, latest data from RBI showed, amidst growing concerns of sluggish consumption demand and rising unemployment pegging down the country's economic growth. As per RBI's monthly sectoral deployment of credit data, the

retail personal credit disbursement growth in the first half of 2019 between January and June was 7.3%. The credit growth in the first half 2018 was 7.7% while for the same period in 2017 it was 8.6%.

BHIM users to get access to multiple bank accounts:

Users of payment app BHIM will be able to access and operate multiple bank accounts in the next version of the platform planned to be launched by October. "BHIM is being upgraded. It will allow users to access multiple bank accounts from the app in the next version which will be launched by October," said an official of the Ministry of Electronics and IT. The official said the next version of BHIM will give full-fledged competition to private payment platforms. Any user who has linked his mobile phone number with a bank account can carry out transactions on BHIM app.

Bharat Bill Pay to be open for repetitive online payments:

In a boost to digital payments, customers will soon be able to use Bharat Bill Payment System (BBPS) for making repetitive bill payments, barring pre-paid recharges. "In order to leverage the advantages of the BBPS and harness its full potential, it has been decided to permit all categories of billers (except pre-paid recharges), who provide for recurring bill payments to participate in BBPS on a voluntary basis," the RBI said in the statement on Developmental and Regulatory Policies, adding that detailed instructions will be issued by September-end.

Finance Ministry plans 16-point 'KPI' to push PSBs:

To address the continuing decline in the share of PSBs in Indian banking, the Finance Ministry plans to kick start an elaborate exercise whereby it will closely monitor their achievements on 16 Key Performance Indicators (KPIs) at the branch, region, State and national level. The banks will then be benchmarked against the 18 PSBs' average. If found lagging, specific action will be taken after consultation at various levels to crank up their performance. The 16 KPIs that the Ministry will be tracking include credit for infrastructure, farm sector, blue economy, housing, MSMEs, Stand-Up India scheme, education, exports, green economy, cleanliness activities, financial inclusion etc.



September 2019

Heavy fine on Bounced Cheques

An amendment to the Negotiable Instruments Act grants power to the trial court to impose a fine for issuing cheques without sufficient balance in the bank. The order can be passed at the interim stage, even before the final decision. The fine could be 20% of the cheque amounts. This amendment was made in 2018 to tighten the rule against bounced cheque.

RBI, Govt arms to build new borrower database:

India's banking regulator and two government arms tasked with supervising companies and indirect taxes have come together to draft a law that will help create a central borrower database, which would help improve underwriting standards and allow financiers to give more loans to small businesses and individuals with limited credit histories. The RBI, the Ministry of Corporate Affairs and Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) are working on the bill that aims to enhance financial inclusion without compromising prudential lending norms. Furthermore, the Central Bank is also in advanced stages of finalising the company that would set up the proposed repository, known as the Public Credit Registry (PCR), from an earlier shortlist of six IT majors. They include Tata Consultancy Services, Dun and Bradstreet, Wipro, IBM India, Capgemini and Mindtree.

Fin Min allows PSBs to create post of CGM:

Public Sector Banks (PSBs) can now create the posts of Chief General Manager (CGM) as per their business needs. This flexibility has been given by the Department of Financial Services in the Finance Ministry to all Nationalised Banks. CGM posts (in a fresh scale VIII) can be created (with board approval) in nationalised banks that have a total business of ₹10 lakh crore or higher, sources said. Such CGMs will act as an administrative and functional layer between the existing levels of General Manager and Executive Director.

UPI completes 1000 cr transactions:

With more than 1,000 crore transactions amounting to cover ₹17-lakh crore, this Indian Digital payment platform has recorded a new milestone in three years. Launched in 2016, Unified Payments Interface (UPI) of the National Payments Corporation of India (NPCI)

witnessed 1,029.44 crore transactions till August 2019. This mobile-only payment ecosystem helped transact a total of ₹17.29 lakh crore during the 37 months. Interestingly, nearly 80 percent of the transactions and the amount transacted on this eco system took place in the third year (September 2018 to August 2019) of its operations.

500 wilful default cases worth ₹18,500 crore in Q1:

At least 19 lenders have filed 529 wilful default cases worth ₹18,548.4 crore in the three months ended June 2019. This stretches across Private and Public Sector Banks (PSBs). Foreign banks are also represented on the list, as is the co-operative bank segment. The numbers are based on an analysis of the data from TransUnion CIBIL. The firm maintains information on individuals and entities defined as wilful defaulters, or entities that have the capacity to pay back their loans but still default on them. It is updated with a lag and not all lenders provide numbers at the same time. The analysis looked at lenders who recorded an increase in the June Quarter over March. It included defaulters where the value was ₹1crore or more.

Canara Bank board gives in-principle approval for merger with Syndicate:

Canara Bank's Board of Directors, gave the in-principle approval for amalgamation of the Syndicate Bank with Canara Bank. The in principle approval for amalgamation of the two Public Sector Banks (PSBs) is as advised by the Alternative Mechanism of Government of India (GoI) to commence the process of amalgamation, subject to applicable approvals, the bank said in a stock exchange notice.

Reserve Bank extends coverage of Bharat Bill Payment System:

The Reserve Bank of India has expanded the scope and coverage of Bharat Bill Payment System (BBPS) to include all categories of billers who raise recurring bills (except prepaid recharges) as eligible participants on voluntary basis. Currently, BBPS covers bills of five segments – Direct to Home (DTH), electricity, gas, telecom and water.



हाथ की सफाई



सुबह सैर करना मेरी आदत सी बन गई है। सुबह की ताजी ठण्डी हवा में सैर करने से शरीर में पूरे दिन ऊर्जा का संचार रहता है और शरीर स्वस्थ भी रहता है। लेकिन जब मैं घर से सैर करने के लिये निकलता था तो सड़क पर कूड़ा ही कूड़ा दिखाई देता था। लोग अपने घरों और दुकानों का कूड़ा सड़क में डाल देते हैं और अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। यही कूड़ा हवा का झोंका आने पर आस पास ही फैल जाता है। हमारे देश की 80 फीसदी जनता इसी मानसिकता की है। अपनी गाड़ी में सफर कर रहे होंगे और केले/संतरे जैसे फल का कचरा सड़क पर फेंक देंगे। इसीलिये हमारे देश के रेलवे स्टेशन, सरकारी दफ्तर और ऐसे कई सार्वजनिक जगह हैं जिन्हें पान/मसाला और तम्बाकू खाने वालों ने लाल रंग से रंगा होता है। एक सफाई करने वाला और हजारों लोग गन्दगी फैलाने वाले तो क्या ऐसे में हम स्वच्छ भारत की कल्पना कर सकते हैं।

अभी मैंने आधा किलोमीटर का सफर ही तय किया था कि मुझे झाड़ू लगाता हुआ गांव का एक दुकानदार जिसका नाम ज्ञानी था दिखाई दिया। नाम से तो वह ज्ञानी था लेकिन सफाई के मामले में वो ही मानसिकता थी। अपना क्षेत्र साफ करो और कूड़ा सड़क पर फेंक दो। मुझे देख कर नमस्ते किया और अपनी दुकान के कूड़े को किनारे में इकट्ठा कर ढेर सा बना दिया। ज्ञानी के साथ वाली दुकान के बाहर भी बहुत कूड़ा था। मैंने ज्ञानी से कहा की वह साथ वाली दुकान के आंगन में भी झाड़ू लगा दे क्योंकि वहां पर भी बहुत कूड़ा था। ज्ञानी बोला “सर मैं पड़ोसी के आंगन को साफ नहीं करूंगा, वह बहुत गंदा इंसान है और कभी भी आंगन साफ नहीं करता है। वैसे भी मैं पड़ोसी का कूड़ा क्यों साफ करूं। मैंने ज्ञानी को समझाया कि यदि तुम्हारे आस पास का क्षेत्र साफ नहीं



बी के उप्रेती
वरिष्ठ प्रबंधक, संकाय सदस्य
क्षेत्र प्रम गुरुग्राम

होगा तो एक हवा के झोंके से पड़ोस का कूड़ा भी तुम्हारे आंगन में आ जाएगा और तुम्हारा आंगन भी गन्दा हो जाएगा। मैंने उसे मजाक में कहा कि दुनिया में ऐसे बहुत से उदाहरण हैं जब लोग जर, जोरू और जमीन के लिये लड़े हैं लेकिन तुम अकेले शाख्स हो जो कूड़े को लेकर लड़ रहे हो और तेरा कूड़ा और मेरा कूड़ा कर रहे हो। यदि तुम आज उसका आंगन साफ कर देते हो तो वह शर्मिन्दगी महसूस करेगा और फिर रोज अपना आंगन साफ करेगा। एक बार उसको अपनी गलती का अहसास कराओ फिर वह रास्ते पर आ जायेगा। बहुत सी बातें बातों से नहीं बनती लेकिन गांधी गिरी से बन जाती हैं। खैर मेरे सुझाव को ज्ञानी ने मान लिया और पड़ोस का आंगन भी साफ करने लगा और मैं आगे सैर के लिये निकल गया।

अभी थोड़ी दूर ही चला था कि आवाज आई सर चाय पीजिए। पीछे मुड़ कर देखा कि स्कूल का मास्टर चन्दन सिंह आवाज लगा रहा था। चन्दन सिंह सड़क के किनारे चाय की दुकान में सुबह- सुबह अपने गांव के लोगों के साथ बैठा था। जिस बैंच पर बैठा था उसके आस-पास बहुत कूड़ा था। मैं चन्दन सिंह के पास चला गया और मुझे आता देख उसने चाय वाले को एक चाय बनाने का आर्डर दे दिया। मुझे कूड़े के ढेर के पास गांव वालों को बैठा देख गुस्सा आ गया। मैंने चन्दन सिंह से पूछा कि वह सब कूड़े के ढेर के पास क्यों बैठे हैं? वही सामान्य प्रतिक्रिया “सर यह सब साथ वाली दुकान का कूड़ा है, यहाँ सब गन्दगी उसी ने कर रखी है, बहुत बार उसको समझाया लेकिन सब बेकार। यहाँ पूरा क्षेत्र उसके सफाई न करने के कारण गन्दा है। मैंने उसे समझाया कि यदि वह सफाई नहीं करता तो हम तो इस कूड़े को साफ कर ही सकते हैं। चन्दन



झट से बोला "कूड़ा तो वह फैलाता है तो कायदे से साफ भी उसी को करना चाहिए। मैंने चन्दन से कहा कि तुम मुझे झाड़ू ला कर दे दो और मैं इस कूड़े को साफ कर देता हूँ। तुम लोग तो यही बहस करते रहोगे कि यह पड़ोसी का कूड़ा है इसलिये हम साफ नहीं करेंगे। जितना समय हम



इस बहस में बर्बाद करेंगे कि यहाँ किस का कूड़ा है उस से कम समय में किसी भी जगह को साफ किया जा सकता है। यदि यह कूड़ा यहीं पड़ा रहेगा तो मक्खी मच्छर पैदा हो जाएंगे और वह पूरे गांव को बीमार कर सकते हैं। पड़ोसी के कूड़े में जन्मे मक्खी, मच्छर और किटाणु सिर्फ पड़ोसी को ही नहीं नुकसान पहुंचाएंगे बल्कि इस क्षेत्र के किसी भी स्वस्थ इंसान को अस्वस्थ कर सकते हैं। चन्दन सिंह चाय पीने के लिये आग्रह करने लगा लेकिन मैंने साफ मना कर दिया कि मैं तब तक चाय नहीं पिऊंगा जब तक यहाँ का कूड़ा साफ नहीं हो जाता। चन्दन सिंह ने आश्वासन दिया कि वह सब लोग यह कूड़ा साफ कर देंगे और उसके बाद ही चाय पियेंगे। उसके आश्वासन के बाद मैं आगे सैर के लिये निकल पड़ा।

सैर करने के बाद लौटा तो देखा कि चाय की दुकान के पास का क्षेत्र एक दम साफ हो गया है। कुछ समय पहले जो जगह आंखों को भा नहीं रही थी अब उसको बार बार देखने का मन कर रहा था। कितनी अच्छी जगह थी लेकिन हमारी जरा सी लापरवाही से नरक बनी हुई थी। मुझे



देखते ही चन्दन सिंह बोला 'सर हम सब ने मिल कर जगह साफ कर दी है और सारे कूड़े को ठिकाने भी लगा दिया है। चन्दन सिंह जेब में हाथ डाले खड़ा था और मुस्करा रहा था। मैंने चन्दन सिंह से पूछा अब बताओ यह जगह पहले अच्छी लग रही थी या अब अच्छी लग रही है। चन्दन सिंह बोला सर यह दुकान और क्षेत्र अब ज्यादा अच्छा लग रहा है। मैंने चन्दन सिंह से कहा अपना हाथ दिखाओ ? हाथ देख कर मैंने पूछा "क्या तुम्हारे हाथों में दर्द हो रहा है। चन्दन बोला नहीं सर।



क्या तुम्हारे हाथ घिस गए हैं ?

चन्दन बोला 'नहीं सर।

क्या तुम्हारे हाथ सदा के लिये गन्दे हो गये हैं ?

चन्दन बोला 'नहीं सर'।

मैंने कहा चन्दन यदि जेब में हाथ डाल कर खड़े रहोगे और अपने आस पास की समस्याओं को सिर्फ देखते रहोगे तो समस्या भी वैसे ही खड़ी रहेगी। लेकिन जैसे ही आप हाथ पैरों का इस्तेमाल करोगे तो समस्या भी फूर हो जायेगी और इसी को कहते हैं हाथ की सफाई। इंसान की फितरत है कि वह समस्या के समाधान को जानते हुये भी इसी दुविधा में रहता है कि पहल कौन करे।

इस प्रयास का ऐसा असर हुआ कि गांव वाले सफाई के प्रति जागरूक हुये, उनके कदम स्वच्छता की ओर अग्रसर हुये।



CRIME DOESN'T PAY



G Meera

SWO

RL & FP Wing, H O, Bengaluru

Ganeshpur, 08.11.2018

It was 6AM. Dinesh opened the main door of the Branch with his key and started sweeping. This was his routine for the past 10 years. He would finish cleaning the premises by about 9.30AM, go out for breakfast when the manager arrives and be back by 10AM when the Branch opens.

But recently there is a little change in this process. His good friend Mahesh, HKP of the Branch would arrive by 8-8.30AM and would send the poor boy to have a timely breakfast. Also he would help Dinesh by lending small amounts whenever needed.

Today also Mahesh arrived by 8.30AM and allowed Dinesh to go out with a warning, "go and have your tiffin, Dinesh, but be back here before the Manager arrives. I am telling this for your own safety, understand?" With a faithful nod, Dinesh left the premises.

Rajendranagar, 02.11.2018:

It was a remote village in the eastern end of India. The sky was cloudy and the houses were sleeping as the people were toiling in fields. At the centre of the village, a small Branch of a big Bank stood. Branch manager was out to visit the customers for recovery, AOD and pre/post sanction inspection. The single officer in the Branch was busy in internal works along with the routine counter work. At about noon, a person produced a pass book and requested him for a withdrawal order form. Glancing at the pass book, he handed over a WOF and hurriedly went back to his work. After some time the same WOF duly signed and filled came to him and he passed it for payment after verifying the signature which apparently tallied with the specimen signature card. The person received ₹12000/- from the Single Window Operator and left the Branch silently.

Rajendranagar, 03.11.2018

The same person, the same officer and the same SWO. Again ₹12000/- was withdrawn from the SB Account of Sri Danny. Who is this Danny?

Rajendranagar, 05.11.2018

The same person came again and withdrew ₹13000/- . This time the senior most SWO Sri Ramesh sat in the seat of officer doing supervisory duty, as the officer was busy doing CLAPS and the manager was out. The lady clerk in the counter passed the WOF.

By evening, a man rushed into manager's cabin and shouted angrily, "I am Mr Danny. ₹37000/- has been withdrawn from my account without my knowledge! I want an explanation as well as my money back". On enquiry, it was revealed that cheque book was issued in his account and he never took money through WOF. A stranger posing as Mr Danny had withdrawn the amount through WOF for three consecutive days! Manager didn't give much heed to the facts and hushed up the matter by repaying Mr Danny. The matter faded away from the memories of staff in a few days.

Ganeshpur, 13.11.2018

Ms Anny was busily passing the cheques, trying to clear the pile in front of her before lunch break. Suddenly she felt creepy and turned back. Mahesh smiled at her. "Hey! How many times I have told you not to sneak like this? You frighten me, Mahesh!" told Anny. "Sorry, mam. I needed this file" smiling widely he took the file on the side table and went away.

Rajendranagar, 15.11.2018

'How to manage the house expenses, yar? I was made to pay ₹25000/- to that Danny fellow on account of the fraudulent withdrawal. Oh God! I don't know what to do..' Ramesh, sitting in the supervisor's seat was completely lost in thoughts when a soft voice came, "Sir, I want to draw money from my account. Can you please give me a WOF?" Still lost in thought, he mechanically glanced at the pass book offered to him and gave a withdrawal form.

The person went to the lady clerk who was busily chatting with her friend over phone. She took the filled up WOF and passed it in the system. She felt something

amiss, but before she could give it a thought, her phone friend diverted her attention. When the WOF went back to Ramesh for passing, he observed that the signature doesn't tally. He turned the monitor towards the customer to show him the specimen signature card and made him sign again. The man left with ₹14000/-

Rajendranagar, 16.11.2018

The same man, the same soft voice, the same Ramesh and the same lady clerk. Again a WOF was passed for payment for ₹13000/- This time the signature tallied perfectly.

Rajendranagar, 18.11.2018

"₹27000/- drawn from my account this month and I swear I hadn't visited the Branch for the whole month! I don't know what is happening here! I want my money back!" a lady was screaming. The Manager went mad. He somehow convinced the lady Smt Veena and requested her to give him one day's time to set things right.

All the staff members assembled in Manager's cabin after 5PM. The expert was called for, to show CCTV clippings. When checked the specific day's video and tallied with the time of passing the cheques in question, it was found that all the times the same person has come for drawing money. Suddenly the lady clerk exclaimed, "I had felt something was amiss! Now I got it! A man has withdrawn the amount in the account of a lady customer Smt Veena!"

The Manager looked at her angrily. "How the hell did you pass the cheque, madam? And you, Mr. Ramesh, already you have lost money in repaying Mr. Danny for the same mistake. How can you afford to do it again? I don't know. You both have to repay the customer and somehow convince her. I'm going to wash my hands off!"

Ms Anny scowled at Mr Ramesh. "Mr Ramesh, when you have given a WOF to a man to draw money from the account of a lady, the onus lies on you. You repay her!"

Ramesh told, "Well, now our priority is to stop the serial fraudster. Through CCTV clippings we know that

the same person has cheated us in both the cases. He may come again. This time we have to catch him red-handed and hand over to the police."

All agreed to his suggestion.

Rajendranagar, 27.11.2018

"Madam, I want to withdraw money. Can you please give me a WOF?" The same soft voice! Ms Anny got alert. She silently signalled the attender who was standing nearby. So our friend, Mr Nihal was caught red-handed with an SB passbook in the name of another customer. He was handed over to the police and they made him open up.

Ganeshpur, 27.11.2018

"Mr Mahesh, you are under arrest." Mahesh was taken aback. A cop in uniform was standing behind Mahesh. Within a split second, he was handcuffed and taken to the jeep waiting outside. He knew his game was over when he saw Nihal in the jeep.

Ganeshpur, 02.01.2019

"Madam, I have been proved innocent. Please let me join for duty." Mahesh pleaded with the Manager. The Manager spoke to HRM Section and allowed Mahesh to join to duty. Mahesh kept quiet for some time but old habits die hard. He had an itching to steal again. This time he changed his modus operandi. He sent an application for ATM/Debit Card in the name of a customer of Rajendranagar, in the hands of another accomplice, Gopal. Gopal received the ATM card which he promptly handed over to Mahesh. Mahesh withdrew amounts from the card many a times, till the real account holder came to know about it and complained to the Manager of Rajendranagar Branch. CCTV clippings clearly showed Mahesh withdrawing the amount in CCTV and he was immediately suspended from the service.

Staff of Rajendranagar were dumbfounded to know the real character of the soft spoken, polite and handsome Mahesh! He was arrested by the police again but this time, no bail! Thanks to technology! The CCTV footage served as a strong evidence. He lost his job and ended up serving a rigorous sentence in prison. Crime doesn't pay!

VALLEY OF FLOWERS - PARADISE INDEED



Seema Yeolekar
Officer, TM Section
Pune, Circle Office

I think we all need a break from our routine to escape into the wild nature, so as to revitalize ourselves and come back rejuvenated. This is one way to release stress and help balance our day to day work at office and home. India has innumerable such places where one can relax in the lap of Mother Nature.

Himalayas have always attracted me. The Majestic Mountains, lush greenery, the waterfalls, the rivers, the wild fragrance, everything creates a magnetic force which attracts one and all to the Himalayas. For me it has always been an eternal calling.

Valley of flowers, the World Heritage Site was on my mind for a long time. No doubt the climate here is quite unpredictable. Intermittent rains, landslides and road blocks are common in rainy season in the higher Himalayas. This year I had made up my mind to make it in August as this is the time when the valley of flowers is in full bloom.

The real travel starts from Rishikesh, as Pune to Rishikesh is quite comfortable, with flight to Delhi and onward train journey. I reached Rishikesh at lunch time, checked in at a hotel near TriveniGhat, the Sangam (confluence) of three Sacred Rivers, The Ganga, The Yamuna and The Saraswati.



Cloud cover over Triveni Ghat at Rishikesh

After lunch and a relaxing nap, I had a walk on the Ghat. The view was mesmerizing with the clouds literally

coming down to touch the feet of three Mother Rivers at the Sangam. Pilgrims had gathered in large numbers for MaGanga Aarti, which is a daily evening ritual here.

The next day early morning we started for Govindghat, from where the trek would start. There are buses as well as taxis available. We took a shared taxi. The total journey was through zigzag roads crossing mountain after mountain along the Ganges and sometimes through the clouds and greenery everywhere. It took nearly 10 hours to reach Govindghat due to road widening work going on at places. A huge pine tree had fallen at one place blocking the road and at another place I could see a minor landslide; when I expressed concern, the road side vendor said "Yehi to pahadiyon ki khoobsurati hai" (this is the beauty of mountains).

Although it was a long journey, it didn't feel so long as the ride was enjoyable with the cool breeze and the sceneries around. We passed through different Prayags (places of confluence of different rivers), which form the Ganga. The Dhauliganga joins Alaknanda at Vishnuprayag, Nandakini at Nandprayag, Pindar at Karnaprayag, Mandakini at Rudraprayag and finally Bhagirathi joins the Alaknanda at Devprayag, thus forming the Ganga River. We reached Govindghat at about 5 PM.



Vishnuprayag

The views of huge mountains and the roaring water of Laxman Ganga flowing down were truly amazing. Pulna Village was 3 Km from the Hotel and Ghangharia which is



at a height of 3050 metres was 10 kms trek from there. This was our next morning plan. Since I had come to know about a helicopter service to Ghangaria, which starts at 8 in the morning, if the weather was clear, we thought of experiencing a Helicopter ride and also in turn one day would be saved. I prayed for clear weather. And yes my prayers were heard. We reached Ghangaria in 4 minutes from Govindghat, which would otherwise have taken a full day by trek. Of course we missed the trek, but decided to do it while returning.



The helicopter ride, though only 4 minutes, was a lifetime experience. Flying over the valley, with the magnificent mountains on both sides and the Lakshman Ganga flowing in between was spectacular!!

Ghangaria

Ghangaria is the base camp for Valley of flowers and Hemkund Sahib. Valley of flowers being 4 kms trek while Hemkund Sahib 6 kms. Ghangaria is a small town which,



as informed by locals, is inhabited by humans only during April to October. After which it is covered with snow and people move to Pulna, which is 10 kms downhill. As we reached Ghangaria in the morning itself, we decided to visit Valley of flowers the same day. There are ponies and porters available for those who find it difficult to trek. As it was flowering season, there were quite a number of trekkers and pilgrims for Hemkund Sahib.



After dumping the big sack at the hotel and carrying a small one with only a few essentials like water, dry fruits, easy breath, band aids and trekking rods, we started the valley of flowers trek.

The entry fee for the valley is ₹150/- each. The trek to valley of flowers is quite steep at some places. All along the trek you will see the diverse flora and fauna. Flowers of bright colours can be seen on the way and every view is picturesque with waterfalls, dense forest and Rocky



Mountains. The air is so fresh with wild fragrance, you just feel like taking lung full with every breath. Nature in its full glory, the mountains so magnificent as if touching the sky but the peaks were not visible due to clouds.



After nearly 3 hours trek we reached the entry of the Valley of flowers, crossing a small bridge over the raging river. And then as we entered the valley, words cannot describe the bliss I could experience. You need to be



present here and experience it. I was in the valley for nearly 2 hours, capturing the breath taking beauty of the place in my heart to last a lifetime. Flowers of all colours and variety in this vast landscape are a treat to the eyes. We were lucky to have a clear view of the valley.

We reached down to Ghangaria at about 5 in the evening. It had started drizzling. We had hot tea and a walked to the helipad and back to the hotel. After a simple hot meal of dal roti and rice, we retired for the day early, as next day was to be Hemkund Sahib Trek at 6 am. It was quite cold but the blankets at the hotel were warm, so could have a nice sleep.

The hotel starts functioning at about 4 am, with hot water for drinking and tea. We had tea and started for Hemkund which is 6 kms from Ghangaria. The trek is tough uphill but the wide rocky path is well maintained. Trekking with small steps takes longer time but you won't get exhausted. It took about 4 hours to reach Hemkund Sahib. Mules take around 3 hours. It was drizzling and the view was not clear due to clouds. It would clear for a few seconds and again cover with clouds. In between we took breaks for a cup of tea and biscuits. No heavy meal as we needed to trek.

Brahmakamal

The way to Hemkund Sahib was as pleasant as that to the Valley of Flowers. The Brahmakamal we spotted at few places was something very special as I had never seen it before. At the Gurudwara a few are planted in pots, so we could get a clear view of The Brahmakamal.





Shri Hemkund Saheb Ji, is a Sikh place of worship and pilgrimage site. A temple dedicated to Laxman is also located here. The Hemkund Lake has crystal clear chilled water. After walking around the Lake for some time and adoring its beauty, we visited the Gurudwara, offered prayers and sat in silence. The hot khichdi and tea served in Langar at such an altitude after a long trek, was so satisfying that I relished every sip of it. We paid a visit

to the Laxman Temple and relaxed at the Lake, experiencing the serene atmosphere where we could get a clear view as the clouds had moved for a while. Then it was time to return. We needed to reach Ghangaria before it's dark. We were back to Ghangaria by evening.



Next day we started early in the morning and hired porter to carry our luggage and also to guide the path. The trek from Ghangaria to Pulna is 10 kms and took 3 hours. In between took breaks for tea and snacks. Walking through the dense forest across the Laxman Ganga River, we reached Pulna Village at 8AM, took a taxi and reached Joshimath at around 9AM. Joshimath to Haridwar was again nearly 9 hours journey. So we decided to take a break at Srinagar, where we reached around 4 pm. Checked in at a Dharamshala and started for Haridwar next morning. The Ganga exits the Himalayan foothills at Haridwar. A day rest at Haridwar, from there train to Delhi and then flight back to Pune.

After Nine days I was back in Pune. I was lucky enough not to be stuck up in between due to landslides or cloudburst. At Haridwar I got the news that a large number of pilgrims were stuck up at Badrinath road due to landslides and at other few places also on account of cloudbursts. Once again I was assured that The Himalayas cared for me and again longing to be there. Some Eternal bond with The Himalayas I feel...



Nijin S R

S/o Resmi S K, Officer
HR Wing, H O, Bangalore

To Flash your kids' photographs under this column, please send the details referring to Memo No. 58/2013 dated 29.06.2013

Canarite Sivasankar M

Karungulli Branch

With
Vinothini



Abhinav Dubey, Manager

Head Office, Bangalore *With*

Shalini Srivastava, Manager

Kalyanpur, Kanpur Branch



To flash your marriage portrait under this column, please send the details referring to Memo No. 84/2014 dated 13.10.2014

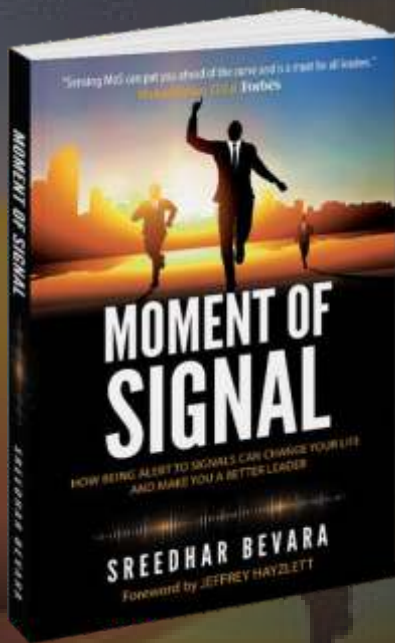
Homage

Name	Designation	Branch	Expired On
D S Misra	Manager	Ghaziabad Rajendra Nagar	5-Mar-19
Shakuntla Devi	HKP	Mayapuri	5-Mar-19
Sundar Singh	Peon	Delhi New DDU Marg Curr. Chest	25-Mar-19
Ashutosh Kumar	Laksar	Laksar	26-Mar-19
Manoj Kumar P	Prob. Officer	Kurnool	6-May-19
Randhi K Kantheswara Rao	SWO - A	Rajahmundry Regional Office	9-May-19
Katta Siva Kumar	SWO - A	Madikere Currency Chest	14-May-19
Panduranga Swamy K G	Daftary	Janakal	14-May-19
S K Magwane	HKP	Delhi Rohini Sector 5	15-May-19
Raghavendra	Daftary	Davangere P J Extension	16-May-19
Uttam Kumar Sharma	SWO - A	Mumbai Bandra East	21-May-19
Mohammad Ahmad	Daftary	Behraozpur	21-May-19
P P Aher	Senior Manager	Mumbai Retail Asset Hub	25-May-19
P Mini	Officer	Calicut Westhill	27-May-19
Naresh Rao V	SWO - A	Bengaluru BSK 3rd Stage SB	7-Jun-19
Rakesh Kumar	Officer	Bindki Branch	10-Jun-19
Avinash Krishnarao Bhagat	Manager	Nagapur Currency Chest	25-Jun-19
Milind Kumar Madhur	Officer	Jamui	26-Jun-19
V M Gautham Krishnan	Officer Mktg	Srirangam	6-Jul-19
Alagrsamy K	HKP	Madurai Gnanavolipuram	9-Jul-19
Choprala Naveen Kumar	Prob. Officer	Konandur	18-Jul-19
Maheswari J	HKP	Salem Leigh Bazar	22-Jul-19

Death, said Milton, is the golden key that opens the palace of eternity.

Shreyas, in homage to Canbank's departed souls, pray that they rest in bliss, in the eternal palace.

Book Review



Authors

Sreedhar Bevara

Moment of Signal



Sajeev K

Could you ever trust a strange feeling within you or follow your instinct in decision-making? If yes, then you probably must have made a good decision out of it. Those who are able to sense the signal at the right moment can make right decision and drive people by providing the right direction. When you decide to take a path and continue that journey, you will meet people who will guide you to where you want to be. With their help, you will also learn how to sense that “Moment of Signal,” which would be helpful in turning misfortunes to opportunities.

“Moment of Signal” is the book authored by Sreedhar Bevara who lived in extreme poverty in a small town in India and transformed his life from a street vendor to waiter, milk delivery boy to door to door salesman and eventually a General Manager at Panasonic Corporation. In 'Moment of Signal' the author elucidate, with his life experiences, how being alert to signals can change your life and make you a better leader, and he helps us to sense the moment of signal (MOS) in our own life to become a successful person.

The author shares the secret on how to attract cooperation, how to get help from people around, how to make people part of our objectives, how to stay relevant to the times to stay ahead of the curve and discover the signals that are meant for us in order make better choices. The author takes the readers through various subjects like decisions, communications, action, people, leadership etc with a different approach. According to the author, a leader's main job is to prepare leaders and help them to achieve the collective vision of the organisation.

The narration of real time examples at the beginning of each chapter and explanation of the concept that follows is truly interesting. He keeps the readers involved in the subject throughout the book. Though some of the ideas look unworkable, there are lots to be taken from the book and it is a brilliant effort on an incredible subject on sensing the right indicators to make better decisions in our life.

Publisher:
A Tarcher Perigee
Cost: ₹229



सीएसआर पहल / CSR Initiative

दिनांक 19.08.2019 को केनरा बैंक सिक्योरिटीज लिमिटेड (सीबीएसएल) द्वारा सीएसआर गतिविधि के हिस्से के रूप में श्री आर ए शंकर नारायणन, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्कूल बस की चाबी श्रीमती बीना सेठ लश्करी, निदेशक और सह-संस्थापक, डोर स्टेप स्कूल को सौंपते हुए। इस अवसर पर श्री वी कुमरा कृष्णन, प्रबंध निदेशक, सीबीएसएल, श्री डी के मिश्रा, महा प्रबंधक, सीबीएसएल और श्री प्रमोद कुमार, महा प्रबंधक भी उपस्थित थे।

Sri R A Sankara Narayanan, MD & CEO handed over the keys of the School Bus to Smt. Bina Seth Lashkari, Director and Co-Founder, Door Step School on 19th Aug 2019 as part of CSR Activity by Canara Bank Securities Ltd (CBSL). School bags & Study kits to the Students of Door Step School were also distributed. Sri D K Mishra, GM, CBSL, Sri V Kumara Krishnan MD, CBSL and Sri Pramod Kumar, GM are also seen in the picture.



पुस्तिका विमोचन / Book Release

श्री एन लक्ष्मीनारायण, महा प्रबंधक, श्री एम के रविकृष्णन, उप महा प्रबंधक, कर्नल सुनील करंडे, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और कैप्टन आर मुखर्जी संयुक्त सशस्त्र गार्ड प्रशिक्षण 2019-20 के दौरान "सशस्त्र / सुरक्षा गार्ड कर्तव्यों" पर पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

Sri N Lakshminarayana, GM, Sri M K Ravikrishnan, DGM, Col. Sunil Karande, Chief Security Officer and Capt. R Mukherjee are seen during the Launch of "Armed /Security Guard Duties" Booklet during the Combined Annual Armed Guards' Training 2019-20.

रजिस्ट्रेशन सं./Registration No. 36699/83



Gobi S

Manager

**3rd Prize in
Shreyas Contest 2018**

(Black & White Photography)

